संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -177 सोमवार , 29 अप्रैल 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

किसी भी मामले पर बीजेपी पर क्यों नहीं होती कार्रवाई ?

कैंपेन सॉन्ग में कहीं भी बीजेपी का जिक्र नहीं है...यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं करता है...इसमें तथ्यात्मक वीडियो और घटनाएं शामिल हैं...

» आप का कैंपेन सॉन्ग बदलने के चुनाव आयोग के आदेश पर बोलीं आतिशी

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। चुनाव आयोग ने आम आदमी पार्टी को अपने इलेक्शन कैंपेन सॉन्ग में बदलाव करने को कहा है। चुनाव आयोग ने कहा कि सॉन्ग की लाइन 'जेल के जवाब में हम वोट देंगे के साथ आक्रोशित भीड़ नजर आ रही है। इस भीड़ के हाथ में जेल की सलाखों के पीछे अरविंद केजरीवाल की तस्वीर है। इस तरह के पिक्चराइजेशन से न्यायपालिका की

छवि खराब होती है। चुनाव आयोग के इस आदेश को लेकर दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने बीजेपी को निशाने पर लिया है।

खतरे में है भारत का लोकतंत्र

आम आदमी पार्टी सरकार में वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तानाशाही का सबूत जनता के सामने रख दिया है। आप नेता ने कहा, अगर बीजेपी तानाशाही करती है, तो यह सही है। लेकिन अगर कोई इसके बारे में बात करता है, तो वह गलत है। इससे पता चलता है कि लोकतंत्र खतरे में है. मैं चुनाव आयोग से बीजेपी के किए गए चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर कार्रवाई करने की अपील करती हूं।

इलेक्शन कैंपेन सॉन्ग को लेकर चुनाव आयोग ने दिया ये आदेश

चुनाव आयोग ने आम आदमी पार्टी को केबल टेलीविजन नेटवर्क रूल्स, 1994 और चुनाव आयोग की गाइडलाइन्स का हवाला देते हुए कैंपेन सॉन्ग बदलने को कहा है।

चुनाव आयोग ने कहा कि आप कैंपेन सॉन्ग में जरूरी बदलाव करके उसे दोबारा सब्मिट करे. सॉन्ग को चेक करने के बाद ही उसे सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

जेल के जवाब में वोट वाले लाइन को लेकर आपत्ति

चुनाव आयोग ने ये भी कहा कि जेल के जवाब में वोट वाली लाइन कई बार दोहराई गई है। ये केबल टेलीविजन नेटवर्क रूल्स, 1994 के तहत प्रोग्राम एंड एडवर्टाइजिंग कोड की ईसीआई गाइडलाइन और रूल 1(जी) का उल्लंघन करता है।ऐसा पहली बार है जब चुनाव आयोग ने किसी पार्टी के कैंपेन सॉन्ग को बदलने का आदेश दिया है।

कैंपेन सॉन्ग में कहीं भी बीजेपी का जिक्र नहीं

आतिशी कहती हैं...कैंपेन सॉन्ग में कहीं भी बीजेपी का जिक्र नहीं है. यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं करता है. इसमें तथ्यात्मक वीडियो और घटनाएं शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने बीजेपी के किए गए आचार संहिता के उल्लंघन पर कार्रवाई नहीं की है।

पार्टी विधायक दिलीप पांडे ने लिखा है ये सॉन्ग

आम आदमी पार्टी के 2 मिनट के कैंपेन सॉन्ग को पार्टी विधायक दिलीप पांडे ने लिखा और गाया है. यह गाना गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में जारी किया गया था.

केजरीवाल-सिसोदिया के बिना प्रचार कर रही आप

आप लोकसभा चुनाव में सीएम अरविंद केजरीवाल और उनके पूर्व डिप्टी मनीष सिसोदिया के बिना प्रचार कर रही है. दोनों नेता दिल्ली के शराब नीति केस में फिलहाल तिहाड़ जेल में हैं।

एनडीए ने हज यात्रा के लिए 1 लाख रुपए देने का किया वादा

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2024(ए)। बीजेपी की सहयोगी टीडीपी (तेलुगु देशम पार्टी) के सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को वादा किया है कि जैसे ही आंध्र प्रदेश में एनडीए की सरकार बनी, मक्का जाने वाले हज यात्रियों को 1 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

आंध्र प्रदेश में बीजेपी की अगुवाई वाले गठबंधन में टीडीपी और जनसेना भी शामिल हैं। राज्य विधानसभा में नेता विपक्ष नायडू ने नेल्लोर में मुस्लिम समुदाय के साथ बातचीत के दौरान यह वादा किया है। हज यात्रा के लिए 1 लाख देने का टीडीपी ने किया वादा नायडू ने कहा, राज्य में एनडीए सरकार के सत्ता में आते ही, हज यात्रा के लिए मक्का जाने वाले प्रत्येक मुसलमानों को 1 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी। मुस्लिम वोट पाने के लिए नायडू ने लगाया जोर टीडीपी मुखिया ने यह याद दिलाने की कोशिश की कि पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश में उनकी सरकार

ने मुसलमानों के एक त्योहार रोटियां की ईद को राज्य त्योहार का दर्जा दिया था। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की नीतियों की वजह से हैदराबाद के मुसलमान दूसरी जगहों के मुसलमानों से कहीं आगे थे और इसके लिए उनकी पार्टी को सराहते थे। मुसलमानों के लिए किए अपने पुराने काम गिनवा रहे हैं चंद्रबाबू नायडू नायडू ने यह भी कहा कि टीडीपी पहले भी एनडीए का हिस्सा रही है, लेकिन कभी भी मुसलमानों के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया है। उन्होंने कहा कि टीडीपी ने हैदराबाद में ऊर्दू यूनिवर्सिटी स्थापित की थी और हज हाउस भी बनवाया था। जबकि, उन्होंने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख और मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर आरोप लगाया कि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में एक भी मस्जिद बनवाने की कोशिश नहीं की। उन्होंने यह भी कहा कि वाईएसआरसीपी सरकार ने केंद्र सरकार के एनआरसी और अन्य कदमों का बिना शर्त समर्थन किया है। नायडू ने मुस्लिम समुदाय का बखान करते हुए कहा कि वे विश्वास, साहस और कड़ी मेहनत में भरोसा रखने के लिए जाने जाते हैं। इसी साल फिर से एनडीए का हिस्सा बनी है टीडीपी टीडीपी ने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ लिया था। तब वे बीजेपी के खिलाफ विपक्षी दलों का मोर्चा बनाने के लिए पूरे देश में घूमे थे। लेकिन, इस बार आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वापस उसी के साथ आ चुके हैं और एनडीए का हिस्सा बन चुके हैं।

आंध्र प्रदेश में 175 सदस्यीय विधानसभा और 25 लोकसभा सीटों के लिए 13 मई को एक ही चरण में वोट डाले जाएंगे और मतगणना 4 जून को की जाएगी

तिहाड़ में सीएम केजरीवाल से नहीं मिल पाएंगी पत्नी सुनीता केजरीवाल

» जेल प्रशासन ने रद्द की इजाजत

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2024 (ए)। तिहाड़ जेल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को मिलने की इजाजत रद्द कर दी है। उनकी मुलाकात केजरीवाल से सोमवार को होनी थी। तिहाड़ जेल प्रशासन ने सुनीता केजरीवाल की मुलाकात रद्द करने का अभी कोई कारण नहीं बताया है। सुनीता केजरीवाल मुख्यमंत्री से सोमवार को मुलाकात नहीं कर पाएंगी। जेल नियम के अनुसार, एक बार में दो लोग केजरीवाल से जेल में मुलाकात कर सकते हैं। मुलाकात रद्द सिर्फ सोमवार के लिए ही रद्द की गई है। सुनीता केजरीवाल ने रविवार को तिलक नगर के मॉल रोड पर रोड शो में हिस्सा लिया। पश्चिमी दिल्ली संसदीय क्षेत्र से आप प्रत्याशी महाबल मिश्रा भी उनके साथ रहे। फूलों से उनका स्वागत किया जा गया। रोड शो में बुलडोजर नुमा ट्रैक्टर पर आगे का हिस्सा ऊपर उठाकर उसमें कुछ युवक बैठे दिखे। ऐसे में कोई दुर्घटना भी घटित हो सकती है।

प्रियंका गांधी के सरनेम पर मध्य प्रदेश के सीएम ने कसा तंज

» कहा- ये सब नकली गांधीवादी हैं

गुना,28अप्रैल 2024(ए)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के सरनेम को लेकर टिप्पणी की है। गुना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोहन यादव ने कहा, हमारी परंपरा के अनुसार, जैसे ही बेटी की शादी होती है, वह अपने नाम के साथ अपने ससुराल का उपनाम जोड़ लेती है। प्रियंका (कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी) कैसे गांधी हैं? ये सब नकली गांधीवादी हैं। वे सिर्फ गांधी के नाम पर वोट बटोरना चाहते हैं। वहीं, सीएम मोहन यादव ने शनिवार को ग्वालियर लोकसभा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह के समर्थन में करैरा तथा गुना-शिवपुरी प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में बदरवास में जनसभा को संबोधित

किया। उन्होंने कहा कि सात मई को आपकी अंगुली में सुदर्शन चक्र आ जाएगा और उस सुदर्शन चक्र से कांग्रेस के हाथ का पंजा कट जाना चाहिए। सीएम ने कहा कि यह आपकी और मेरी इज्जत का सवाल है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जब देश में मुगल शासन था तब देश के मंदिरों को तोड़ा जा रहा था। उस समय सन् 1235 में उज्जैन में सभी मंदिर तोड़ दिए गए तब यह मंदिर सिर्फ कागजों में रह गए थे धरातल पर कोई मंदिर नहीं था। उस समय सिंधिया राजवंश के राजाओं ने धर्म की रक्षा के लिए इन मंदिरों की पुनर्स्थापना की थी और सभी त्योहार मनाने, उत्सव मनाने के लिए पर्याप्त धनराशि भी उपलब्ध करवाई थी।

आम आदमी पार्टी ने अपना चेहरा चमकाने किया 1585.87 करोड़ रुपए खर्च

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2024(ए)। दिल्ली के मुख्यमंत्री शराब घोटाले के मामले में जेल में बंद हैं। मगर उनके विज्ञापन के किस्सों के कारण राजनीतिक गलियारे में चर्चा जोरों से हो रही है। एक आरटीआई के जवाब में खुलासा हुआ है कि साल 2015 में दिल्ली में सत्ता में आने के बाद से अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार ने विज्ञापन पर ₹1585.87 करोड़ खर्च किए हैं।आरटीआई एक्टिविस्ट विवेक पांडेय की आरटीआई के जवाब में यह जानकारी सामने आई है। विवेक पांडे ने अपने ट्वीट में बताया कि कैसे आप सरकार के तहत पिछले 5 वर्षों में कुल विज्ञापन खर्च 408 प्रतिशत बढ़ गया है।

कांग्रेसियों ने पूर्व विधायक को पीटने दौड़ाया

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2024(ए)। दिल्ली कांग्रेस में घमासान तेज हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफे के बाद पार्टी दो गुट में बंटती दिख रही है। इस बीच वरिष्ठ नेता आसिफ मोहम्मद के साथ धक्का-मुक्की की गई है। आरोप है कि लवली के समर्थकों ने पूर्व विधायक को दौड़ा डाला और उनके साथ धक्का-मुक्की की। आसिफ के साथ उस समय बदसलूकी की गई जब वह मीडिया से बात करते हुए लवली की आलोचना कर रहे थे। इस्तीफे का लेटर मीडिया में जारी करने को लेकर आसिफ ने लवली पर सवाल उठाए और कहा कि उन्हें चुपचाप ऐसा करना चाहिए था। आसिफ ने कहा, पार्टी में मतभेद हो सकते हैं। हो सकता है कि आपकी मर्जी से डीपीसीसी ना चल रही हो। यदि लवली जी को नाराजगी थी और इस्तीफा देना चाहते थे तो चुपचाप जाते

और खरगे जी को इस्तीफा सौंप देते। आपने जो आपने वजहें कहीं हैं, बातें रखी हैं और लेटर मीडिया को दे दिया। यदि आपकी नीयत में खोट नहीं होता तो आप खामोश जाते और इस्तीफा देकर आ जाते। पार्टी आपको मनाती। यह आतंरिक मामला है लेकिन जिस तरह आपने मीडिया को लेटर जारी किया उससे सीधा-सीधा फायदा बीजेपी को मिल रहा है। मैं दावे के साथ कह रहा हूं कि हर्ष मल्होत्रा की जगह एक दो दिन में लवली को कैंडिडेट घोषित किया जाएगा।

आसिफ मोहम्मद मीडिया से बात कर रही रहे थे तभी वहां लवली के कथित समर्थक पहुंच गए और उनके साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी। भीड़ देख आसिफ आगे बढ़ गए, लेकिन लवली के पक्ष में नारेबाजी करते हुए कुछ लोगों ने पूर्व विधायक को दौड़ा दिया। रविवार को लवली का इस्तीफा सामने आने के बाद पार्टी दो खेमों में बंट गई है। संदीप दीक्षित समेत कुछ नेता जहां लवली की तारीफ कर रहे हैं तो एक दूसरे गुट ने उनके फैसले पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। लवली ने आम आदमी पार्टी से दोस्ती और कन्हैया-उदित राज जैसे उम्मीदवारों को चयन पर सवाल खड़े करते हुए प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़ दिया है।

हल्दी रस्म के दौरान युवती की मौत

मेरठ,28 अप्रैल 2024 (ए)। दिन पर दिन बढ़ रही गर्मी के बीच में हार्ट अटैक के मामले में भी बढ़ते जा रहे हैं। बड़ों के अलावा इन दिनों बच्चों और युवक-युवतियों को लेकर हार्ट अटैक के केस ज्यादा आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला यूपी के मेरठ जिले से सामने आया है। यहां के लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के अहमदनगर में चचेरी बहन के हल्दी के प्रोग्राम में एक युवती की अचानक से मौत हो गई। युवती मोहल्ले की कुछ लड़कियों के साथ अपनी चचेरी बहन के हल्दी के प्रोगाम में डांस कर रही थी। डांस करते-करते वह गिर गई और गिरते ही उसकी जान चली गई। इस दौरान साथ में डांस करने वाली युवतियों में चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर परिवार के लोग पहुंचे और युवती को लेकर तुरंत डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर ने जांच पड़ताल के बाद युवती की हार्ट अटैक से मौत होने की पुष्टि की। युवती के डांस के दौरान जमीन पर गिरने का वीडियो

भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। युवती की मौत से शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। घर-परिवार में कोहराम मच गया। मामला लिसाड़ी गेट के अहमदनगर गली नंबर 2 का है। यहां के रहने वाले महताब के छोटे भाई आफताब की बेटी की रविवार को आशियाना कॉलोनी से बारात आनी थी। बारात से पहले घर में हल्दी का प्रोग्राम चल रहा था। घर में आयोजित इस कार्यक्रम में नाच-गाने का भी आयोजन किया गया था। दुल्हन की चचेरी बहन रिमशा उत्तरी मेहताब मोहल्ले की लड़कियों के डांस कर रही थी। रिमशा डांस करते-करते अचानक से जमीन पर गिर पड़ी। रिमश के जमीन पर गिरते ही बच्चे शोर मचाने लगे। रिमशा के साथ जो बच्चे और अन्य युवतियां डांस कर रही थीं उन्होंने उसे उझने का प्रयास किया लेकिन रिमशा उठी नहीं। शोर-शराबा सुनकर घर वाले रिमशा के पास पहुंचे। उन्होंने भी रिमशा को उठाने की कोशिश की। रिमशा के शरीर में कोई हलचल न होने पर चीख-पुकार मच गई। रिमश को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाया गया। डॉक्टर ने रिमशा

मायावती के भतीजे के खिलाफ भाजपा ने कराया केस

लखनऊ,28 अप्रैल 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव के बीच पार्टी के लिए प्रचार कर रहे आकाश आनंद मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कॉर्डिनेटर आकाश आनंद ने सीतापुर में बीजेपी पर तीखा हमला किया।आकाश ने भाजपा सरकार की बड़ा हमला करते हुए यूपी बीजेपी की तुलना तालिबान से करते हुए कहा कि ये आतंकवादियों की सरकार है। इसी के साथ ही उत्तरप्रदेश में बुलडोज़र की सरकार बताई। जिसके बाद बीजेपी ने आकाश आनंद समेत 5 बसपा नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

यूपी के उन्नाव में भयानक हादसा

» बस को चीरते हुए निकल गया ट्रक,7 लोगों की मौत...कई घायल

उन्नाव ,28 अप्रैल 2024(ए)। यूपी के उन्नाव में आमने-सामने की टक्कर के बाद ट्रक ने बस को एक साइड से चीर दिया। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है जबकि 25 से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें से कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया है। डॉक्टरों ने सभी को प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल रेफर किया है।

हादसा सफीपुर कोतवाली क्षेत्र में जमल्दीपुर के पास हुआ है। पुलिस ने हालांकि अभी छह के मरने की पुष्टि की है। तीन लोगों की पहचान हुई है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। जानकारी के अनुसार बांगरमऊ की ओर से उन्नाव आ रही निजी बस सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के जमल्दीपुर गांव के पास पहुंची थी। इसी दरम्यान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सीधी टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद बस को एक तरफ से चीरते हुए ट्रक आगे निकल गया। हादसा होते ही चीख पुकार मच गई। घायल लोग बसों से बाहर तक लटके दिखाई दिए। मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन घायलों को सीएचसी सफीपुर पहुंचाया।

संपादकीय

चुनाव आयोग से फिर ठनी

उद्धव ठाकरे की चुनाव आयोग से फिर ठन गई है। उनके नेतृत्व वाले गुट को आवंटित चिह्न मशाल' की थीम सांग में भवानी' का उल्लेख हुआ है।आयोग इसे हिन्दू धर्म की देवी का पर्याय मानते हुए बदलने को कहा है। चुनाव में धार्मिक संज्ञाओं, प्रतीकों, नारों आदि के उल्लेखों की सिद्धांततः मनाही है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। अतः पार्टियों से अपेक्षा है कि वे किसी एक धर्म और उनके प्रतीकों के आधार पर प्रचार न करें। वोट न मांगें। इससे उस सर्वसाधारणता की भावनाओं की अवज्ञा हो जाती है, जिसका आदर संविधान का मूल अभिप्राय है। उद्धव ठाकरे कहते हैं कि भवानी' नाम महाराष्ट्र, जिसमें इसके सभी धर्मो-विासों के नागरिक रहते आए हैं, वह छत्रपति शिवाजी के बलिदानों की पावन कर्मभूमि है, जिन्होंने भवानी' का नाम लिया है। शिवाजी माने महाराष्ट्र। इन्हीं शिवाजी के नाम पर उनके पिता बालासाहेब ठाकरे ने शिवसेना, जो पिछले साल बंट गई थी,की बुनियाद रखी थी। वे इस शब्द को नहीं बदलेंगे।उद्धव का यह रवैया आयोग से रार मोल लेने जैसा लगता है। इसलिए भी कि आयोग और न्यायालय ने बाला साहेब के मताधिकार को छह साल तक के लिए निलंबित कर दिया था। तब उन्होंने चुनावी भाषण में हिन्दू वर्चस्व के आधार पर भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने की वकालत की थी। पर उद्धव का मामला इससे भिन्न है।उन्हें आयोग से शिकायत है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर्नाटक विधानसभा चुनाव एवं गृहमंत्री अमित शाह के मध्य प्रदेश चुनाव में क्रमशः बजरंगबली के नाम पर बटन दबाने एवं चुनाव बाद राम मंदिर के मुफ्त दर्शन के उल्लेखों पर आंखें मूंद लेता है। इस बाबत लिखे गए उनके शिकायती पत्र का जवाब तक नहीं देता है। क्यों? इसका जवाब दिए बगैर उद्धव के विरुद्ध कोई कार्रवाई क्या मुनासिब होगी? आयोग समथरे को दोषी नहीं मानता है तो वह समदर्शी कैसे हो सकता है? फिर चुनाव दर चुनाव में लग रहे जय.राम' के नारे को क्या कहा जाएगा? दरअसल, मशाल' गीत के बोल और उसका संदेश शिकायत की एक बड़ी वजह है। इसमें तानाशाही' को खत्म करने की बात कही जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि यह मूल शिवसेना की थीम सांग की तरह लोगों को उद्धव गुट की तरफ खींचेगा। जिन वगरे को यह गीत संबोधित है, उसके आधार की एकमात्र प्रवक्ता आज कोई और पार्टी हो गई है। नोटिस का यह भी एक कारण है-उद्धव को लगता है। इनके बावजूद उन्हें नोटिस का तर्कपूर्ण उत्तर देना चाहिए। आयोग को भी इस पर विचार करना चाहिए।

टीएन शेषन ने बदली थी भारत के अराजक चुनावों की तस्वीर

"देश को एक ऐसा मुख्य चुनाव आयुक्त मिलता है... जो पूरी चुनाव व्यवस्था को बदलकर रख देता है... बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को नकेल कस देता है...उस मुख्य चुनाव आयुक्त का नाम है...टीएन शेषन... आज अगर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र माहौल में चुनाव हो पाता है... तो इसका श्रेय टीएन शेषन को जाता है" ...

देश की मौजूदा पीढ़ी को शायद इस बात का अंदाजा भी नहीं होगा कि भारत की आजादी के बाद की ऊबड-खाबड़ यात्रा में देश ने ऐसे-ऐसे हिचकोले खाए कि लगने लगा था कि लोकतंत्र पटरी से उतर कर अराजकता में बदल जाएगा। इसी यात्रा में सबसे बड़ी चुनौती थी, देश के निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराना। आज जिस तरह शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव सम्पन्न कराए जा रहे हैं। करीब साढ़े तीन दशक पहले इसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। उस दौर में ऐसा कोई भी चुनाव नहीं रहा जो खून-खराबे से भरा नहीं रहा हो। देश में बैलट पर बुलट भारी था। बंदूक की नोक पर वोटों की पेटियों को लूटना आम बात थी। भारत की चुनावी प्रक्रिया में हर तरह की बुराई थी। ऐसे में देश को एक ऐसा मुख्य चुनाव आयुक्त मिलता है, जो पूरी चुनाव व्यवस्था को बदलकर रख देता है। बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को नकेल कस देता है। उस मुख्य चुनाव आयुक्त का नाम है टीएन शेषन। आज अगर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र माहौल में चुनाव हो पाता है तो इसका श्रेय टीएन शेषन को जाता है। देश के दबंग चुनाव आयुक्त के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले टीएन शेषन नौकरशाही में भी सुधार के जनक थे। ईमानदारी और कानून के प्रति अपनी निष्ठा की वजह से वह बहुतों को खटकते भी थे। इस वजह से उनके विरोधी उनको सनकी और तानाशाह तक भी कहते थे। लेकिन वह व्यवस्था में क्रांति लाने वाले इंसान, मेहनती, सक्षम प्रशासक, योग्य नौकरशाह, बुद्धीजीवियों और मध्य वर्ग के नायक थे।

पलक्कड़ (केरल) के निवासी टीएन शेषन ने 1955 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में ट्रेनी के तौर पर अपने कॅरियर की शुरुआत की। शेषन ने अपनी पहली तैनाती में ही तीखे तेवर दिखाते हुए तमिलनाडु के मदुरई जिले के डिंडीगुल में सब कलेक्टर पद पर रहते हुए हरिजन समुदाय के एक व्यक्ति पर फंड के घपले का आरोप में गिरफ्तार करवा दिया। मंत्री के दवाब के बाद भी आरोपी को नहीं छोड़ा।

चेन्नई में यातायात आयुक्त पद के दौरान एक बार एक ड्राइवर ने शेषन से पूछा कि अगर आप बस के इंजन को नहीं समझते और ये नहीं जानते कि बस को ड्राइव कैसे किया जाता है, तो आप ड्राइवरों की समस्याओं को कैसे समझ पाएंगे। शेषन ने इसको एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने न सिर्फ़ बस की ड्राइविंग सीखी बल्कि बस वर्कशॉप में भी काफ़ी समय बिताया। एक बार उन्होंने बीच सड़क पर ड्राइवर को रोक कर स्टेयरिंग संभाल लिया और यात्रियों से भरी बस को 80 किलोमीटर तक चलाया। शेषन का तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से काफी झगड़ा हो गया, जिसके बाद वे प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली आ गए और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के एक सदस्य के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के आग्रह पर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के सचिव बन गए। सचिव के तौर पर उन्होंने टिहरी बांध और सरदार सरोवर बांध जैसी परियोजनाओं का विरोध किया। भले ही सरकार ने उनको विरोध को दरकिनार कर दिया और परियोजना पर काम को आगे बढ़ाया लेकिन बांध के पर्यावरण पर पडने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया गया।

इसके साथ ही शेषन ने विभागों में नहीं कहने का रुझान शुरू किया। इस दौरान राजीव गांधी से उनकी नजदीकी बढ़ी। वहां से उनको आंतरिक सुरक्षा का सचिव बनाया गया। करीब 10 महीनों बाद उनको कैबिनेट सचिव बनाया गया। जब राजीव गांधी दिसंबर 1989 में चुनाव हार गए और प्रधानमंत्री नहीं रहे तो टीएन शेषन का ट्रांसफर योजना आयोग में कर दिया गया। शेषन के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने की दास्तां भी कम दिलचस्प नहीं है। दिसंबर 1990 केंद्रीय वाणिज्य मंत्री और शेषन के दोस्त सुब्रमण्यम स्वामी ने प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के दूत के तौर शेषन पर मुख्य चुनाव आयुक्त के पद की पेशकश की। शेषन इस प्रस्ताव से बहुत अधिक उत्साहित नहीं हुए थे, क्योंकि पहले ही कैबिनेट सचिव विनोद पांडे ने भी उन्हें ये प्रस्ताव दिया था। शेषन इस प्रस्ताव पर राजीव गांधी से मिले। राजीव गांधी ने शेषन को मुख्य चुनाव आयुक्त का पद स्वीकार करने के लिए अपनी सहमति दे दी। लेकिन वो इससे बहुत खुश नहीं थे। उन्होंने उन्हें छेड़ते हुए कहा कि वो दाढ़ी वाला शख्स (चंद्रशेखर) उस दिन को कोसेगा, जिस दिन उसने तुम्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बनाने का फ़ैसला किया था। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने साठ के दशक में तमिलनाडु में शेख़ को नजरबंद करवा दिया था। शेषन उस समय मदुरै जिले के कलेक्टर थे। उनको जिम्मेदारी दी गई थी कि वो शेख़ द्वारा बाहर भेजे गए हर पत्र को पढ़ें। शेख ने डॉक्टर एस राधाकृष्णन प्रेसिडेंट ऑफ़ इंडिया के नाम पत्र लिखा। शेषन ने बिना डरे पत्र पढ़ लिया। शेख़ ने घोषणा की कि वो उनके साथ किए जा रहे ख़राब व्यवहार के विरोध में आमरण अनशन पर जाएंगे। शेषन ने कहा कि सर ये मेरा कर्तव्य है कि मैं आपकी हर ज़रूरत का ख्याल रखूं, मैं ये सुनिश्चित करूंगा कि कोई आपके सामने पानी का एक गिलास भी ले कर न आए। शहरी विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव के धर्मराजन त्रिपुरा में हो रहे चुनावों का पर्यवेक्षक का कार्य छोड़ कर थाइलैंड चले गए। इस पर दंडित करते हुए शेषन ने उनकी गोपनीय रिपोर्ट में विपरीत प्रवष्टि करने का फ़ैसला किया। शेषन ने वर्ष 1993 में 17 पेज का आदेश जारी किया कि जब तक सरकार चुनाव आयोग की शक्तियों को मान्यता नही देती, तब तक देश में कोई भी चुनाव नहीं कराया जाएगा। आखिरकार सरकार को उनके सामने झुकना पड़ा। मौजूदा आदर्श आचार संहिता उसी आदेश का परिणाम है। शेषन के आने से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त एक आज्ञाकारी नौकरशाह होता था जो वही करता था जो उस समय की सरकार चाहती थी। ये शेषन का ही बूता था कि उन्होंने चुनाव में पहचान पत्र का इस्तेमाल आवश्यक कर दिया।

शेषन ने साफ कह दिया कि अगर मतदाता पहचान पत्र नहीं बनाए गए तो 1 जनवरी 1995 के बाद भारत में कोई चुनाव नहीं कराए जाएंगे। शेषन के दौर में ही हिमाचल प्रदेश में चुनाव के दिन पंजाब के मंत्रियों के 18 बंदूकधारियों को राज्य की सीमा पार करते हुए धर दबोचा गया। उत्तर प्रदेश और बिहार सीमा पर तैनात नागालैंड पुलिस ने बिहार के विधायक पप्पू यादव को सीमा नहीं पार करने दी। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल गुलशेर अहमद को चुनाव आयोग द्वारा सतना का चुनाव स्थगित करने के बाद उन्हें अपने पद से इस्तीफ़ा देना पड़ा। गुलशेर अहमद पर आरोप था कि उन्होंने राज्यपाल पद पर रहते हुए अपने पुत्र के पक्ष में सतना चुनाव क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया था। उसी तरह राजस्थान के तत्कालीन राज्यपाल बलिराम भगत को भी शेषन का कोपभाजन बनना पड़ा था, जब उन्होंने एक बिहारी अफ़सर को पुलिस का महानिदेशक बनाने की कोशिश की। शेषन ने बिहार में पहली बार चार चरणों में चुनाव करवाया और चारों बार चुनाव की तारीखें बदली गईं। ये बिहार के इतिहास का सबसे लंबा चुनाव था। शेषन ने आचार संहिता के उल्लंघन पर पश्चिम बंगाल की राज्यसभा सीट पर चुनाव नहीं होने दिया, जिसकी वजह से केंद्रीय मंत्री प्रणब मुखर्जी को अपने पद से इस्तीफ़ा देना पड़ा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ज्योति बसु इतने नाराज़ हुए कि उन्होंने उन्हें पागल कुत्ता कह डाला। साल 1992 के शुरू से ही शेषन ने सरकारी अफ़सरों को उनकी ग़लतियों के लिए लताड़ना शुरू कर दिया था। उसमें केंद्र के सचिव और राज्यों के मुख्य सचिव भी शामिल थे। बीते दशकों में टीएन शेषन से ज़्यादा नाम शायद ही किसी नौकरशाह ने कमाया हो। वर्ष 1990 के दशक में तो भारत में एक मज़ाक प्रचलित था कि भारतीय राजनेता सिर्फ़ दो चीज़ों से डरते हैं। एक ख़ुदा और दूसरे टीएन शेषन से।

-योगेन्द्र योगी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

बच्चों के अच्छे भविष्य का निर्माण

हर माता-पिता सोचते हैं कि उनके बच्चे का भविष्य अच्छा हो, लेकिन इस बात पर ध्यान नहीं देते कि जब

हेमेन्द्र क्षीरसागर
बालाघाट, मध्यप्रदेश

अच्छे चरित्र का निर्माण करेंगे, तो ही अच्छे भविष्य का निर्माण हो पाएगा। स्वाभाविक है कि अच्छे चरित्र के निर्माण की शुरुआत माता-पिता से होती है। माता-पिता बचपन से ही कोशिश कर रहे होते हैं कि बच्चों को अच्छा सिखाएं। लेकिन इस बात पर ध्यान नही देते हैं कि बच्चे वह नहीं सीखते जो आप कहते हैं वे वही सीखते हैं जो आप करते हैं।

अधिकांश माता-पिता के लिए पालन-पोषण का अर्थ केवल बच्चों के भोजन, कपड़े और दैनिक जरूरतों की पूर्ति करना है। और इस तरह से माता-पिता अपने दायित्व से मुक्त हो जाते हैं। लेकिन क्या माता-पिता अपने बच्चों को अच्छी आदतें या संस्कार दे पाते हैं जिससे कि उनके अच्छे चरित्र का निर्माण हो सके, ताकि वे भविष्य में एक बेहतर जीवन जी सकें। जिससे कि उन्हें जीवन जीने में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े । हर पीढ़ी के बच्चों में बदलाव आता है और ऐसे में यदि आप अपने बच्चे के प्रति सचेत नहीं हैं तो आप नई पीढ़ी के भविष्य निर्माण से चूक जाएंगे जो कि भविष्य में एक माता-पिता होने के नाते आपके लिए पीड़ा दायक हो सकता है। इसलिए आपको आज से ही सोचना होगा कि ऐसा क्या करना चाहिए. जिससे कि भविष्य में आपको खुशी मिले। जब तक आप माता-पिता नहीं थे तो आपकी कोई जिम्मेदारी नहीं थी। लेकिन माता-पिता बनने के बाद आप पर रचनात्मक जिम्मेदारी आ गई है।

एक पूरा जीवन बनेगा या बिगड़ेगा यह आप पर निर्भर करता है। माता-पिता बनने के बाद आप जो कुछ भी करते हैं उसका प्रभाव बच्चे के भविष्य पर अवश्य पड़ता है।

मानव जीवन में चरित्र का विशेष महत्व है और चरित्र ज्ञानवान होने से बनता है, यदि मनुष्य में ज्ञान नहीं है तो चरित्र का कोई अर्थ नहीं है। हम अपने घर, परिवार, समाज, देश और विदेश में व्यापार और नौकरी करते हैं, इन सब में ज्ञान और अच्छे चरित्र का होना एक श्रेष्ठ और सफल व्यक्ति की पहचान है।

जैसा कि हम जानते हैं कि चरित्र कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे हम कहीं से खरीद कर प्राप्त कर सकें। लेकिन सकारात्मक सोच ही हमें ऊंचाई के शिखर पर ले जाती है साथ ही अच्छे चरित्र का निर्माण भी करती है। हमारे मन में दो प्रकार के विचार होते हैं, एक अच्छे विचार और दूसरे बुरे विचार लेकिन अगर हम अपने आप में यह निश्चय कर लें कि हम कभी भी नकारात्मक विचारों को अपने मन पर हावी नहीं होने देंगे और हर काम अच्छा ही करेंगे तो यही एक अच्छा चरित्र है। किसी व्यक्ति के अच्छे चरित्र के निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका उसके घर के वातावरण की होती है। क्योंकि बच्चों को स्कूल में किताबी ज्ञान मिलता है, बच्चों में अच्छे संस्कार रखने का श्रेय उनके माता-पिता को जाता है कि उन्होंने अपने बच्चों को कैसी तालीम दी है।

बच्चे बाल्यावस्था के बाद किशोरावस्था को प्राप्त करते हैं, फिर विवाह होता है और घर की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। परिवार चलाना और जीवन की सारी गतिविधियां पैसे पर आधारित होती हैं, इसलिए पैसा कमाना भी बहुत जरूरी है। लेकिन एक सफल जीवन जीने के लिए पैसा कमाना ही एकमात्र उद्देश्य नहीं होना चाहिए, जीवन को सफल और आदर्श परिवार बनाने के लिए और अधिक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। अक्सर देखा गया है कि अन्य बातों को छोड़कर लोगों का एक ही सपना होता है कि बहुत सारा पैसा कैसे कमाया जाए।

यदि हम इस प्रकार की सोच रखते हैं तो परिवार और बच्चे ठीक से जीवन जीने की कलाओं से वंचित रह जाते हैं। जिसका परिणाम बच्चों के साथ-साथ माता-पिता के लिए भी बहुत बुरा होता है। पैसा कमाने के साथ-साथ यदि हम सोचते हैं कि हमारा परिवार और बच्चे आदर्श हों तो हमें इन सब बातों पर ध्यान देना होगा। उन्हें आचरण में लाना होगा। तभी हम कल्पना कर सकते हैं कि हमारे बच्चे आदर्श और संस्कारी होंगे। हम जैसा बीज बोयेंगे, जैसा व्यवहार करेंगे, जैसा वातावरण देंगे, हमें वैसा ही फल भी मिलेगा।

कुछ समय बाद जेब में पैसा नही दिखेगा

जैसे-जैसे सोशल मीडिया का दौड़ बढ़ रहा है, वैसे-वैसे ही जेब में पैसा दिखना बहुत मुश्किल हो गया है। अब

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर
बिहार

उन्हीं के हाथों या जेब में पैसा दिखता है, जिनके पास फोन नहीं हो या फिर यूपीआई इस्तेमाल नहीं करते हो। जो भी लोग यूपीआई इस्तेमाल करते हैं उनमें से अधिकतर के पास पैसे कभी रहते ही नहीं है। वो भी निश्चिंत रहते हैं क्योंकि उनके पास यूपीआई है। आज यूपीआई पर आधारित एक सच्ची घटना आप सभी पाठकों के लिए 26 अप्रैल की बात है लेखिका किसी काम के कारण थोड़े गाँव जैसे जगह पर गई थी। रास्ता है तो सीधी सी बात है दिन भर गाड़ी आती जाती रहती है। दोपहर का वक्त था लेखिका अपनी स्कूटी से जा रही थी। तभी वो और उन्ही के साथ एक और स्कूटी रोड क्रॉस कर रही थी। अचानक एक कार वाले आए इतने तेज रफ्तार में आए जिसके कारण दुसरी स्कूटी को धक्का लगा और स्कूटी पर से महिला गिर गई। लेखिका की भी स्कूटी को धक्का लगा लेकिन वो संभाल ली और रोड़ खराब होने के कारण महिला के हाथ, सिर पर काफी चोट लग गई और खून निकलने लगा। लेखिका सुरक्षित थी और वो स्कूटी से उतर कर आई तो देखी महिला नीचे गिरी हुई है। उस महिला का बेटा स्कूटी

चला रहा था तो उसने और लेखिका ने मिलकर उनको उठाया। लेखिका ने रूमाल से सिर को अच्छे से दबाया। आस-पास में कोई दुकान था नहीं तो उसका बेटा गया मेडिकल दुकान पर जो थोड़ी दूर पर था। वो जाकर आ भी गया लेकिन वो कुछ लेकर नही आया। लेखिका पूछती है-आप डेटॉल और दवाएँ क्यो नहीं लाए। तब पता चला कि मेडिकल दुकान वाले यूपीआई नहीं रखते है और ना ही आस-पास के लोगों के पास, दोपहर के कारण बहुत सी दुकानें बंद भी थी और मेरे पास पैसे नहीं थे यूपीआई इस्तेमाल करता हूँ। फिर उसकी माँ के पास मात्र 100 रूपया था और लेखिका के पास यूपीआई रहता है इसलिए वो भी कभी कभी पैसे लेकर चलती नहीं है लेकिन उस दिन उनकी माताश्री ने कुछ काम के लिए उन्हे पैसे दी थी तो उस वक्त उसके पास पैसे थे। जो उस महिला के इलाज के लिए काम आया। फिर लेखिका पैसा दी और वो लड़का फिर गया मेडिकल दुकान वहाँ से सब कुछ लाया। फिर महिला को जहाँ चोट लगा था वहाँ डेटॉल लगाकर क्रीम लगाकर पट्टी बाँध दी। हाथों में भी जहाँ-जहाँ चोट आया था वहाँ क्रिम लगाकर। उन्हे पानी पिलाकर, जब वो ठीक महसूस करने लगी तब उन्हे स्कूटी पर बैठाकर, उसके बेटे के कमर में एक कपड़ा से उस महिला को बाँधकर भेज दी। गर्मी के कारण दुकान भी बंद था तो लेखिका अपना काम भी नहीं कर पाई और अपने घर की ओर वापस आ गई। काम तो नहीं हुआ लेकिन जिदंगी का बहुत बड़ा सीख मिला - आज के समय में राह चलते कुछ भी हो सकता है और हर बार आपकी मदद करने वाले मिले ये भी जरूरी नहीं है और सबसे खास बात बिना पैसे का कुछ नहीं है। इसलिए समझदार बने, आत्मनिर्भर बने और जन कल्याण के लिए कार्य करते रहे और अपने जेब में कुछ पैसे अवश्य रखे ।।

भोले की माया

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,इन्दौर मध्यप्रदेश

सुख की चाह में भटक रहे हो,
क्या-क्या लेकर जा पाओगे,
प्रीत बांध लो जो भोले से,
बस सुख में तर जाओगे।
सुख की चाह में ...
सदियों से जो होता आया,
वो इंसा को रास न आया,
एक-एक कौड़ी ऐसे जोड़ी,
ना भोले की सुध ली थोड़ी।
सुख की चाह में ...
जीवन है बस मोह की छाया,
भटक रही इसमें है काया,
भोले की है सब ये माया,
समझ रहा ना इंसा भाया।
सुख की चाह में ....
इसको रोका,उसको टोका,
पल-पल दिया है सबको धोखा,
जग में भोले बस ऐसे हैं,
जिनसे मिला है सबको मौका।
सुख की चाह में ....
आओ सब में प्रीत बढ़ाएं,
प्रेम, प्यार की फसल उगाएं,
भोले की संगत में रह कर,
जीवन सब आशान बनाएं।
सुख की चाह में ...

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

नरेंद्र मोदी को तीसरा टर्म देना चाहिए

आज के लोक सभा का चुनाव देखा जाए तो विपक्ष में क़ोई एक ऐसा चेहरा नजर ही नहीं आ रहा जो अकेले

संजय गोस्वामी,
मुंबई

अपने दम पर सरकार बना लें । ऐसी स्थिति में मिली-जुली सरकार अगर आई तो स्थिर सरकार नहीं होंगी जिसका फ़ायदा पड़ोसी मुल्क उठा सकता है। और हमेशा इसका फायदा उठाया है । चाहे 26/11 का मामला हो या घुसपैठियों का इसमें हमेशा संकट के बादल मंडराते रहते है। और मंत्री पद को लेकर झगड़ा होता है। और कभी भी सरकार गिर सकती है । वर्तमान सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव बनाने का जूनून भी देश को राजनीति से दूर रहकर विकसित भारत के निर्माण का संकल्प है। आजादी से पहले भारत की आर्थिक स्थिति बड़ी दयनीय थी, यहाँ विकास की धारा 1951 से विधिवत एवं एक फ्रेमवर्क के तहत शुरू हुआ। देश के आर्थिक विकास को लेकर तमाम तरह की योजनाएं बनाई गई। विगत 76 सालों में भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की हैं। आजादी के बाद से भारत ने सभी क्षेत्रों में खुद को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक कदम उठाएं हैं.। आधुनिक तकनीक तथा अपने संसाधनों के संतुलित उपयोग के जरिये नई सम्भावनाओं को भी तराशा हैं। कृषि तथा उद्यानिकी में साठ के दशक में शुरू हुई। हरित क्रांति ने तेजी से खाद्यान्न के क्षेत्र में हमने आत्मनिर्भरता हासिल की।.2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी जी को तीसरा टर्म देना उचित है इसका कारण यह है कि विपक्ष के पास प्रधानमंत्री उम्मीदवार का क़ोई चेहरा सही नहीं है। मोदी के ऊपर क़ोई आरोप नहीं है। और कुल मिलाकर देश में अच्छा शासन रहा क्योंकि इसमें क़ोई आतंकवादी घटना नहीं हुई। देखिए दूसरी पार्टी में लगभग सभी प्रधानमंत्री के उम्मीदवार है और बाद में प्रधानमंत्री बनाने, बनने का क्रम ना चलता रहे इससे योजना पर असर होता है क्योंकि हर सरकार अपने अनुसार देश को चलाना चाहती है। जहाँ तक ईडी व सी बी आई का सवाल है। देखिये पार्टी चलाने में खर्चा होता है और इससे भ्रष्टाचार बढ़ता है। चोरी चाहे 1रूपये की हो या 1करोड़ की। कानून के अनुसार दोनों सेक्शन 378 के अंतर्गत आरोपी है। आम आदमी पार्टी कहीं ना कहीं अपनी विचारधारा से हटी और दुर्घटना घटी जिसका परिणाम देखने को मिला है। अतः इसमें राजनीति एक्सपीरियंस की कमी है। पूरे देश में देखा जाए तो दिल्ली व पंजाब के अलावा दूसरे राज्यों में 50-100 वोट भी मिलना मुश्किल हो जाता है अतः उसके लिए अति उत्तम है। कांग्रेस में विलय कर लेना इससे दोनों को फायदा हो सकता है क्योंकि आम आदमी पार्टी से क़ोई नहीं तो केजरीवाल जी प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के रूप में ठीक होगा क्योंकि आईआईटी पास है । अच्छा बोल लेते है इसलिए तो शराब में इतना बड़ा डील सफल रहा। अब सवाल यह हैं कि कुछ ज्यादा उत्साह होने से फंस गए। देखिये चोरी बहुत लोग करते हैं लेकिन जब पकड़े जाते तो घोटाला के रूप दोषी पाए जाते हैं। राम मंदिर भी एक सपना से कम नहीं था। और जम्मू से आर्टिकल 370 हटाना व विज्ञान में विकास सर्जिकल स्ट्राइक, कोरोना में देश को अच्छी तरीक़े से निकाल देना भी सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। शिक्षा में नवाचार, प्रशिक्षण की व्यवस्था एवं आधुनिक स्तर के विद्यालय महाविद्यालय स्थापित कर शिक्षा के शिक्षा में भी पर्याप्त उंचाइयो तक पहुंचे। विज्ञान और तकनीकी और सदुपयोग से हमने डिजिटल भारत जैसे अभियानों से प्रत्येक गाँव के व्यक्ति तक आधुनिक संचार की सुख सुविधाएं प्रदान की हैं। आज चिकित्सा के फील्ड में एल्लोपैथी, आयुर्वेदिक, योगा व होम्योपैथी की बेहतरीन चिकित्सा पद्धतियाँ हमारे देश में हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

गुलमोहर खिलने लगा है

अशोक पटेल आशु
,शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

पर्वत-पठारों का गुलमोहर, खिलने लगा है
वन-उपवन का तरु भी अब संवरने लगा है।
पगडण्डियों का ये किनारा, निखरने लगा है
फिजाओं में अब रौनकता, बिखरने लगा है।
रंग सिंदूरी,रतनार फुल, अब दहकने लगा है
नवयौवना, वनदेवी का, श्रृंगार होने लगा है।
कचनार के गुलाबी, वसन रंग भरने लगा है
अमलतास के पीले आँचल, उड़ने लगा है।
मानो मंगल-परिणय का, उमंग छाने लगा है
पिया- मिलन की आस अब, जगाने लगा है।
शुभ-विवाह की बेला,यह सम्पन्न होने लगा है
प्रियतम से मिलने को मन,आतुर होने लगा है।
पंछियों के शुभ-वंदनवार, अब गुंजने लगा है
शहनाइयों व पुष्पों से अभिनंदन होने लगा है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पंछियों का इंतजार

मोनिका डागा आनंद
चेन्नई,
तमिलनाडु

मेरी आंखों में विरह के अश्रु झरते,
गाऊं मैं किसके लिए अब सुरीला गीत ?
बाग-बगीचे हो गए सब वीरान ,
बच्चे हो गए इन रास्तों से अंजान,
जहां पर गुजरती थी कभी उनकी किलकारियां,
आज तरस रही है शोरगुल सुनने को वे वादियां ।
गाऊं मैं किसके लिए अब सुरीला गीत ?
तितलियों के पीछे-पीछे जो घंटो भागते थे,
पंछियों को प्यार से दाना-पानी दे जाते थे,
झूलों पर जोर-जोर से झूलने वाले यहां,
रंग-बिरंगी पतंगों को दूर तक उड़ानें वाले गए कहां,
गाऊं मैं किसके लिए अब सुरीला गीत ?
आजाद परिंदे वे खुले आसमान के थे,
हमारी तरह फलक तक उड़ान भरना चाहते थे,
अब मोबाइल की गिरफ्त में कैद हो गए हैं,
नापसंद था उन्हें बंधन अब खुद बंधक बन गए हैं।
गाऊं मैं किसके लिए अब सुरीला गीत ?
कोई तो उन्हें याद दिलाए वे रास्ते बुला रहे हैं,
जीवन के वास्तविक आनंद को क्यों भूल बैठे हैं,
हंसना, खेलना, रूठना, मनाना सब बंद हो गया है,
बच्चों का रूहानी सुहाना बचपन कहीं खो गया हैं,
गाऊं मैं किसके लिए अब सुरीला गीत ?

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर ....न्यायालय................. के अधीन होगा।

CMYK

भारत में डायबिटीज बहुत तेजी से बढ़ने के कारण छोटी उम्र में ही आ रहा हार्ट अटैक : डॉ. मधुकर

» सरगुजा एपीआई कांफ्रेंस में जुटें देशभर के 300 चिकित्सकों ने किया अपने अनुभव को साझा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

खानपान में गड़बड़ी के कारण भारत देश में डायबिटीज बहुत तेजी से बढ़ रहा है। जिसके कारण छोटी उम्र में ही लोग हार्ट अटैक के शिकार हो रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण शारीरिक व्यायाम नहीं करना और स्ट्रेस के कारण शरीर का तंत्र बिगड़ जाना है। स्ट्रेस के कारण ब्रेन हेमरेज, हार्ट अटैक, किडनी की बीमारी हो रही है। उक्त बातें रविवार को सरगंवा पैसेल रिसॉर्ट में काशी यूनिवर्सिटी के सीरियर रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ. मधुकर राय ने प्रेस वार्ता के दौरान कही। ये सरगुजा एपीआई कांफ्रेंस में शामिल होने पहुंचे थे।

डॉ. मधुकर ने कहा कि डायबिटीज के कारण 15-20 साल पहले ही लोगों को हार्ट अटैक आ जा रहा है। इस बीमारी से बचने के लिए डॉक्टर ही महत्वपूर्ण नहीं है पूरे समाज की भागीदारी होगी तभी इससे बचाव हो सकता है। आज बच्चे पढ़ाई के बोझ तले खेल नहीं पा रहे हैं, हमें पेरेंट्स और स्कूल के टीचर को यह सब बताना पड़ेगा कि उन्हें खेलने की भी आवश्यकता है। जवान लडके सुसाइड कर रहे हैं इन सब का कारण स्ट्रेस है। यह साइलेंट किलर है हम सबको मिलकर लड़ाई लडनी होगी तभी स्वस्थ समाज इस देश को हम दे पाएंगे।

कॉन्फ्रेंस में पहुंचे डॉक्टर आशुतोष ने बताया कि डायबिटीज व हार्ट अटैक के कई कारण है इसका एक कारण जेनेटिक भी हो सकता है लेकिन पारिवारिक परंपरा पर इसे छोड़ देना गलत होगा और भी इसके कई कारण है। सबसे बड़ा कारण स्ट्रेस व मोटापा है, हाइट के हिसाब से आपका वजन कितना होना चाहिए, आपके खाने

की थाली में क्या-क्या होना चाहिए यह लोगों को नहीं पता है। रात में देर तक जागने का चलन हो गया है जबकि हमें रात 10 बजे के बाद सो जाना चाहिए और 6.30 से 7 घंटे तक का नींद पूरा करके सुबह जल्दी उठ जाना चाहिए। डॉ लखन सिंह ने बताया कि स्वस्थ शरीर में ही सुंदर मानसिकता का विकास हो सकता है। बच्चों को खेलने प्रोत्साहित करें, आज बच्चे इंटरनेट जैसे नशे की चपेट में है, इससे बच्चों को जितना दूर रखें उतना ही बेहतर है। बचपन से ही हेल्दी लाइफस्टाइल और एक्सरसाइज करें तो यह बीमारी काफी दूर रहेगी। रायपुर से पहुंचे डॉक्टर अरुण केडिया ने बताया कि हार्ट अटैक से बचने का एकमात्र तरीका डिसिप्लिन के साथ रहना होगा,यह बचपन से आपके माता-पिता और विद्यालय में भी इसे बताने और इस पर काम करने और जागरूकता की आवश्यकता है।डॉ अरुण ने कहा कि मोटापा केवल बीमारी है और इसे डब्लूएचओ ने भी सत्यापित किया है, इसका उपचार घर के खान-पान और एक्सरसाइज से ही दूर होगा।जिस तरह धार्मिक प्रवचन होता है उसी तरह स्वास्थ्य का भी प्रवचन होना चाहिए तभी लोगों में जागरुकता आएगी।

300 चिकित्सकों ने अपने अनुभव किया साझा

रविवार को सरगुजा एपीआई कांफ्रेंस में देश के विख्यात 300 चिकित्सकों ने किया अपने अनुभव को साझा किया। इस कांफ्रेंस में नई तकनीक व दवाइयों पर भी मंथन किया गया। सम्मलेन में सर्वहारा वर्ग को सुविधा जनक तरीके से सस्ता एवं सुलभ इलाज कैसे उपलब्ध हो इस विषय पर विचार विमर्श किया गया। इसके अलावा नई बीमारियों, नई तकनीक एवं नई दवाओं के बारे में अपनी जानकारी एक दूसरे से साझा किया।

शादी का झांसा देकर युवती से बलात्कार, आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

शादी का झांसा देकर युवती से बलात्कार करने के माले में गांधीनगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। पीड़िता ने 27 अप्रैल को गांधीनगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वर्ष 2020 में लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पुहपुटरा निवासी शिवभरोष राजवाड़े से जान पहचान हुई थी। दोनों के बीच मोबाइल से बात चीत होता था। इसके बाद दोनों एक दूसरे के घर में आना जाना करते थे। इसी वर्ष युवक ने प्रेम करने व शादी करने की बात कहकर युवती के साथ बलात्कार करता था। इसके बाद युवक 10 अप्रैल को शादी से इंकार कर दिया। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

जनता संविधान को बचाने की लड़ाई में खड़ी है इंडिया गठबंधन के साथ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

यह लड़ाई सरकार बनाने से कहीं आगे देश के लोकतांत्रिक ढांचे को बचाने की है। दो चरणों के मतदान के बाद यह साफ है कि जनता संविधान को बचाने की लड़ाई में इंडिया गठबंधन के साथ खड़ी है। चार सौ पार और मोदी की गारंटी को भाजपा भूल चुकी है। पहली बार ऐसा हुआ है कि विरोधी पार्टियां अपने मंच से हमारे घोषणा पत्र की बात कर रहे हैं। उक्त बातें एआईसीसी सचिव चंदन यादव ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही।

एआईसीसी सचिव चंदन यादव ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और फिर न्याय यात्रा से देश में नफरत कम हुई है। लोगो का भरोसा विकास की राजनीति पर बढ़ा है। यही बात भाजपा को पच नहीं रही। भाजपा

देश को जाति-धर्म,खान-पान, पहनावा, रीति-रिवाज,बोली-भाषा के आधार पर तोडना चाहती है। संविधान उन्हें इसकी इजाजत नहीं देता। भाजपा और आरएसएस की मूल विचारधारा संविधान की प्रस्तावना से टकराती है। इसलिए ये संविधान बदलने की बात कहते हैं। ये नई बात नहीं है। अटल बिहारी बाजपेयी ने जस्टिस वेंकटचलैया की अध्यक्षता में संविधान की समीक्षा के लिए कमेटी बनाया था। यादव ने कहा यदि संविधान खत्म हो गया तो दलितों, आदिवासियों, पिछड़ा वर्ग सहित बहुसंख्यक आबादी के हितों का संरक्षण खत्म हो जाएगा। प्रधानमंत्री अपने दोस्तों को देश की सारी संपत्ति सौंप देंगे। 10 साल सरकार चलाने के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी अपने कामों पर वोट मांगने की स्थिति में नहीं है। भय भूख और भ्रष्टाचार चरम पर है, मध्यम वर्ग पर बोझ बढ़ा है। यह सरकार चंद पूंजीपतियों के 16 लाख करोड़ माफ कर सकती है मगर किसानों को समर्थन मूल्य नहीं दे पाती। पत्रकार वार्ता में पादप बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष बाल कृष्ण पाठक, श्रम कल्याण मण्डल के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद, प्रदेश उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, आशीष वर्मा, अशफाक अली, मदन जायसवाल, दिनेश शर्मा, नरेंद्र विश्वकर्मा, शिवेश सिंह, अविनाश कुमार शामिल रहे।

शराबी पति ने पत्नी से मांगा खाना...नहीं देने पर उतारा मौत के घाट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम निम्हा में शनिवार की शाम को शरब के नशे में पति ने पत्नी के सिर पर वार कर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार ग्राम दमऊ कुंड के किशुन राम ने अपनी पत्नी गीता को शनिवार की खाना नहीं देने की बात पर हत्या कर दिया है। घटना दिन शनिवार के शाम 4 बजे की बताई जा रही है। किसून राम शराब पीकर कही से आया और अपने पत्नी को खाना देने के लिए बोलने करते लगा। मम्मी पापा को झगड़ा करते देख इनके दोनों बच्चे जो की एक दस साल और एक चौदह साल के है अपने दादा-दादी के पास सोने चले गए।

सुबह जब आकर दोनों बच्चे देखे और उठाए तो उनकी मां नहीं उठी तब वापस बस्ती वाले घर के समीप जाकर घटना की जानकारी अपने बड़े पापा सत्यनारायण को दिए जो की मौके पर आकर देखा तो उसकी बहू गीता मृत हालत में घर पर पड़ी हुई थी। मृतिका गीता के सर के पिछले हिस्से कान के पास और गाल में चोट के निशान पाए गए। जिसकी सूचना उदयपुर पुलिस को दी गई घटना स्थल दमऊकुण्ड पहुंचकर आरोपी पति को पुलिस ने पकड़ा और पूछताछ किया तो उसने बताया की खाना नहीं देने की बात पर पत्नी को गाल में मारना बताया तथा खाना नहीं मिलने पर सो जाने की बात कहा है। शव का पोस्टमार्टम कराकर पुलिस ने परिजनों को सौप दिया है। घटना के आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है मामले में धारा 302 के तहत अपराध कायम कर आगे की कार्यवाही उदयपुर पुलिस द्वारा की जा रही है। उक्त प्रकरण में थाना प्रभारी निरीक्षक कुमारी चंद्राकर, सहायक उप निरीक्षक विजय गुप्ता, आरक्षक देवेंद्र तथा सुरेंद्र बारी सक्रिय रहे।

लोकसभा चुनाव के दौरान लगातार कार्रवाई,मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वसूले गए 24.40 लाख समन शुल्क

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान 'ऑपरेशन विश्वास' के तहत लोकसभा चुनावों के दौरान ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के दौरान पुलिस ने 482 फरार वारंटियों, 4 आदतन आपराधियों को जिलाबदर की कार्रवाई की गई है। वहीं 695 लीटर महुआ शराब एवं 67 अंग्रेजी शराब कुल 762 लीटर किमती लगभग 121725 रुपए जब्त किए गए हैं। अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल 15 किलो ग्राम, प्रतिबंधित नशीला इंजेक्शन 6.5 लीटर, 700 मिलीलीटर,260054 रुपए का प्रतिबंधित कफ सिरफ जब्त किए गए हैं। वहीं मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 3872 वाहन चालकों पर कार्रवाई करते हुए 24 लाख 40 हजार 830 रुपये समन शुल्क वसूले गए हैं। आर्म्स एक्ट के मामलों में पुलिस ने

सख्ती से कार्रवाई करते हुए 9 प्रकरण दर्ज कर 9 हथियार जब्त किए गए हैं। जिसमे 1 देशी कट्टा, 1 देसी पिस्टल, 2 लोहे का कटार, 4 तलवार, 1 गड़ासा, 3 कारतूस जब्त किए गए हैं। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लाइसेंसी शस्त्र को थाना में अविलम्ब पेश करने की हिदायत देते हुए कुल 627 लाइसेंसी शस्त्र सम्बंधित थानों में जमा करवाए गए हैं। प्रतिबंधात्मक कार्यवाही के तहत 891 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। धारा 151 के तहत कुल 124 व 521 व्यक्तियों के खिलाफ बाउंडओवर की कार्रवाई की गई है।

6 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर, 28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

6 लीटर महुआ शराब के साथ गांधीनगर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार 27 अप्रैल को गांधीनगर पुलिस पेट्रोलिंग पर निकली थी। इस दौरान मुखबिर से जानकारी मिली की बिशुनपुर खुर्द में एक युवक शराब बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर संदेही को हिरासत में लेकर तलाशी ली तो 6 लीटर महुआ शराब पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त कर आरोपी समीर टोप्पो उम्र 30 वर्ष निवासी बिशुनपुर खुर्द थाना गांधीनगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

'शॉप टू शॉप' पहुंचकर बीएड प्रशिक्षणार्थी दे रहे मतदान के संदेश का ग्रीटिंग कार्ड

» मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विशेष पहल

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

अम्बिकापुर:लोकसभा चुनाव 2024 के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में जारी मतदाता जागरूकता अभियान की कड़ी में सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय अंबिकापुर के द्वारा शॉप टू शॉप मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रद्धा मिश्रा एवं नोडल अधिकारी रानी

रजक के नेतृत्व में शुरू कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ÷शॉप टू शॉप÷ यानी हर दुकान में जाकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाना है,जिसके लिए महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मतदाता जागरूकता ग्रीटिंग कार्ड का निर्माण किया गया जिसमें उन्होंने मतदान के प्रति अपने-अपने विचारों को अंकित किया तथा मतदान के प्रति सभी नागरिकों को जागरूक करने हेतु स्लोगन व विचारों को अंकित करते हुए मतदान का महत्व बताया है। हम सभी को मतदान करना ही चाहिए, यदि हम मतदान नहीं करते हैं तो हमारा कर्तव्य पूरा नहीं होगा इसलिए हम सभी को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए मतदान अवश्य करना चाहिए।

यह कार्यक्रम अंबिकापुर नगर के व्यावसायिक वर्ग को शत प्रतिशत मतदान करने हेतु जागृत करने के लिए है। मतदाता जागरूकता के लिए निर्मित किया गया यह कार्ड ÷शॉप टू शॉप÷ जाकर दिया जाएगा। नोडल अधिकारी रानी रजक द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को मतदाता जागरूकता संबंधित विभिन्न प्रकार के गतिविधियों के बारे में बताया गया और कहा गया कि हमें नवीन गतिविधियों के माध्यम से सभी नागरिकों को शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरुक करना होगा तथा उनके सामने इस प्रकार के गतिविधि लानी होगी जिसे देखकर वह जागरूक हो सके एवं शत प्रतिशत मतदान करने में अपना योगदान निश्चित करें।

इसी की ओर कदम बढ़ाते हुए महाविद्यालय के समस्त प्रशिक्षणार्थियों ने नोडल अधिकारी के द्वारा दिए गए समस्त दिशा निर्देश को समझा तथा सभी ने मिलकर शपथ लिया कि वह शत प्रतिशत मतदान इस वर्ष अवश्य करेंगे और सभी को शत प्रतिशत मतदान किए जाने हेतु अपील की गई।

व्हाइट हाउस के पत्रकारों के भोज तक पहुंचा इस्राइल विरोधी प्रदर्शन, प्रदर्शनकारियों ने लहराए फलस्तीनी झंडे

वॉशिंगटन,28 अप्रैल 2024। हमास और इस्राइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर अमेरिका में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। देशभर में लोग इस्राइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। यह विरोध उस जगह तक पहुंच गया, जहां व्हाइट हाउस के पत्रकारों का राष्ट्रपति के साथ रात्रिभोज होना था। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

लोगों ने इस्राइल के खिलाफ नारे लगाए

वीडियो में इस्राइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे लोगों की भारी भीड़ और उनके हाथ में फलस्तीनी झंडा देखा जा सकता है। यहां तक की जिस हॉटल में भोज कार्यक्रम होना था, उसकी इमारत पर भी फलस्तीनी झंडा लगा दिया गया था। लोगों ने इस्राइल के

खिलाफ नारे लगाए।

यह है मामला

दरअसल, हिल्टन होटल में व्हाइट हाउस के पत्रकारों का भोज होना था। यहां जो बाइडन के रात्रिभोज को संबोधित करने की उम्मीद थी। कार्यक्रम से पहले यहां फलस्तीनियों का समर्थन कर रहे लोग पहुंच गए। इनमें से कुछ ने होटल की सबसे ऊपरी मंजिलों में से एक पर फलस्तीनी झंडा लगा दिया। घटनास्थल पर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने इस पर तालियां बजाईं।

व्हाइट हाउस कॉरेसपॉन्डेंट्स एसोसिएशन की स्थापना 1914 में हुई थी। 1921 से लगभग हर साल एक रात्रिभोज आयोजित किया जाता है। इसका मकसद राष्ट्रपति से जुड़ी खबरों को कवर करने वाले पत्रकारों की सराहना करना और छात्रवृत्ति के लिए धन जुटाने के लिए।

प्रदर्शनकारियों ने फलस्तीनी केफिए और तरबूज के प्रतीक वाले कपड़े पहने थे। उन्होंने वाशिंगटन हिल्टन के बाहर फलस्तीनी मुक्त के नारे लगाए। साथ ही कहा कि हम कवरेज की मांग करते हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि इस्राइल और गाजा की खबरों को अधिक से अधिक दिखाने के मकसद से यह प्रदर्शन किया जा रहा है।

टाइटैनिक के सबसे अमीर यात्री की सोने की घड़ी हुई नीलाम,कीमत जानकर रह जाएंगे दंग

लंदन, 28 अप्रैल 2024। टाइटैनिक से जुड़ी जब भी कोई जानकारी सामने आती है तो हर कोई उसे जानने को उत्सुक हो जाता है। अब इस जहाज के सबसे अमीर यात्री की मिली एक सोने की घड़ी से जुड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, घड़ी को नीलाम किया गया है, जिसकी कीमत जानकार आपको भरोसा नहीं होगा। इंग्लैड में घड़ी को 11.7 लाख पाउंड यानी 14.6 लाख डॉलर में नीलाम की गई। नीलामीकर्ता हेनरी एल्ड्रिज एंड सन ने कहा कि 1912 के जहाज आपदा से जुड़ी किसी वस्तु के लिए यह एक रिकॉर्ड राशि थी।

अमेरिका के खरीदार ने खरीदा

अंदाजा लगाया जा रहा था कि घड़ी करीब एक लाख से 150,000 पाउंड के बीच बिक जाएगी। हालांकि, इन अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका के एक शख्स ने बोली जीती है।

पत्नी की बचाई जान

घड़ी पर जेजेए लिखा हुआ है। दरअसल, यह घड़ी अमेरिका के सबसे अमीर व्यक्ति जॉन जैकब एस्टोर की थी। बताया जाता है कि जब 15 अप्रैल 1912 में टाईटैनिक डूबी थी, तब जहाज के डूबने से पहले उन्होंने अपनी पत्नी मेडेलीन को एक लाइफबोट पर चढ़ा दिया था, जिससे उनकी जान बच गई थी। हालांकि एस्टोर की मौत हो गई थी। उस समय वह मात्र 47 वर्ष के थे। दुर्घटना के एक सप्ताह बाद एस्टोर का शव मिला था। इस दौरान ही उनके सामानों में घड़ी भी मिली थी। नीलामी करने वाले कार्यालय का कहना है, घड़ी को कर्नल एस्टोर के परिवार को लौटा दिया गया था, उसके बाद उनके बेटे ने इसे पहना था।

पाकिस्तानी सेना के साथ समझौते की फिराक में इमरान खान की पार्टी,पीएमएलएन और पीपीपी में बढ़ी बेचैनी

इस्लामाबाद,28 अप्रैल 2024। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान अब अपनी आजादी के लिए पाकिस्तानी सेना के साथ बातचीत करने की योजना बना रहे हैं। इमरान खान की पार्टी के ही एक नेता ने बताया है कि उनकी पार्टी बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वे सत्ताधारी पार्टियों पीएमएलएन और पीपीपी के साथ कोई बात नहीं करेंगे। पीटीआई नेता के इस बयान पर पाकिस्तान की सत्ताधारी पार्टियों में बेचैनी बढ़ गई है और उन्होंने पीटीआई को निशाने पर ले लिया है।

सत्ताधारी पार्टियों ने पीटीआई पर बोला हमला

पूर्व पीएम नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज के वरिष्ठ नेता ख्वाजा साद रफीक ने कहा है कि इमरान खान की पार्टी पीटीआई को नागरिक सर्वोच्चता का रोना नहीं रोना चाहिए, जबकि वे खुद सैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत करना चाहते हैं। वह रोना रोते हैं कि वे आजादी के ध्वजवाहक हैं, लेकिन बंद दरवाजों के पीछे वे बातचीत की भीख मांगते हैं। साद रफीक ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों को आपस में बातचीत करनी चाहिए। पीएमएलएन के ही एक अन्य नेता राणा सनाउल्लाह ने कहा कि पीटीआई की मानसिकता राजनीतिक नहीं है बल्कि वे सैन्य प्रतिष्ठान की मदद से सत्ता हथियाना चाहते हैं। वे

(पीटीआई) कहते हैं कि वे सेना के साथ बात करेंगे, लेकिन जब आरोप लगाने की बारी आती है तो वे हर चीज के लिए सरकार पर कीचड़ उछालते हैं।

पीपीपी के नेता फैसल करीम कुंडी ने भी इमरान खान की पार्टी पीटीआई पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीटीआई राजनीति में सेना के दखल को आमंत्रित कर रही है। पीपीपी हमेशा से राजनीति में सेना के दखल के खिलाफ है।

पीटीआई नेताओं के बयान से शुरू हुई समझौते की चर्चा

दरअसल पीटीआई के वरिष्ठ नेता शहरयार अफरीदी ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा कि उनकी पार्टी बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वे बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी पीपीपी और सत्ताधारी पीएमएलएन के साथ कोई बात नहीं करेंगे। पीटीआई की ही एक अन्य नेता शिबली फराज ने कहा कि पार्टी असल हितधारकों से बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन पहले उसके लिए सही माहौल होना चाहिए। पीटीआई नेता बैरिस्टर गौहर अली खान ने भी बीते हफ्ते कहा था कि इमरान खान पर समझौते का दबाव बनाया जा रहा है। हालांकि उन्होंने गुप्त बातचीत से साफ इनकार किया।

इमरान खान ने बातचीत से किया इनकार

शहरयार अफरीदी के बयान के बाद पीटीआई चीफ इमरान खान का बयान सामने आया है। पीटीआई के 28वें स्थापना दिवस पर इमरान खान ने साफ कहा कि वह नौ साल और जेल में रहेंगे, लेकिन देश को गुलाम बनाने वालों के साथ कभी समझौता नहीं करेंगे। इमरान ने कहा कि वे असल आजादी के लिए कोई भी कीमत चुकाएंगे, लेकिन देश की आजादी से समझौता नहीं करेंगे।

भारतवंशी डॉक्टर का मानसिक संतुलन ठीक नहीं; टेस्ला सवार बीवी-बच्चों की हत्या के आरोपी पर मुकदमे में गवाह

कैलिफोर्निया,28 अप्रैल 2024। अमेरिका में पत्नी और दो नाबालिग बच्चों सहित टेस्ला कार को पहाड़ी से नीचे धक्का देने वाले भारतीय मूल के रेडियोलॉजिस्ट 43 वर्षीय धर्मेश पटेल की उस याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें उसने मानसिक इलाज कराने की गुहार लगाई थी। सुनवाई के दौरान दो डॉक्टरों ने पटेल के बचाव में गवाही दी। उन्होंने कहा कि, जिस समय घटना हुई, उस समय पटेल मानसिक बीमारी से ग्रस्त थे।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, कैलिफोर्निया के पासाडेना के धर्मेश पटेल पर पिछले साल जनवरी में हत्या के प्रयास के तीन आरोप लगाए गए थे। उन्होंने हाफ मून बे के पास हाईवे-1 स्थित डेविल्स स्लाइड पर टेस्ला कार सवार पत्नी नेहा, सात वर्षीय बेटी और चार वर्षीय बेटे को पहाड़ी से जानबूझकर नीचे गिरा दिया था। हालांकि कार सवार परिवार के सभी लोग बच गए थे। इस मामले में डॉक्टर पटेल ने उसे जेल भेजने की बजाय मानसिक इलाज कराने की मांग की थी।

मनोवैज्ञानिक पैटरसन ने की पटेल की 18 जांच

रेडवुड सिटी की एक अदालत में बुधवार को डॉक्टर पटेल की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान डॉक्टर मार्क पैटरसन और डॉक्टर जेम्स आर्मोंट्राउट ने उनके बचाव में गवाही दी। लॉस एंजिल्स टाइम्स अखबार ने जिला अटॉर्नी स्टीफन वागस्टाफ के हवाले से कहा, डॉक्टरों ने गवाही दी कि रेडियोलॉजिस्ट को यकीन था कि उनके बच्चों का यौन शोषण हुआ है, जिसके चलते घटना के दौरान उन्हें मतिभ्रम हुआ था। मनोवैज्ञानिक पैटरसन ने पटेल की 18 जांच की। जिसके बाद उन्होंने अपने भाई-बहनों से बात की और पाया कि डॉक्टर पटेल को मानसिक इलाज की जरूरत है।

अभियोजन पक्ष बोला मामले को मोड़ने का प्रयास किया जा रहा

वहीं, अभियोजन पक्ष ने विरोध करते हुए कहा कि मामले को मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अभियोजन पक्ष के डॉक्टरों ने पाया है कि पटेल किसी भी मानसिक अवसाद से ग्रस्त नहीं हैं। बल्कि एक अलग बीमारी से पीड़ित हैं, जिसे स्किजोफेक्टिव के रूप से जाना जाता है। इसलिए बचाव पक्ष की ओर से दी गई इलाज योजना प्रभावी नहीं है। अभियोजन पक्ष का मानना है कि मामला कोर्ट में ही रहना चाहिए।

क्या कहता है कैलिफोर्निया का कानून

जानकारी के अनुसार, कैलिफोर्निया का कानून कहता है कि यदि कोई न्यायाधीश डॉक्टरों के अनुरोध को स्वीकार कर लेता है, तो पटेल को जेल की सजा के बजाय दो साल का इलाज दिया जाएगा। यदि पटेल प्रस्तावित इलाज योजना के दौरान कोई अपराध नहीं करते हैं तो उन पर लगे आरोप हट जाएंगे।

सुनक सरकार के खिलाफ बढ़ रही नाराजगी, लेकिन पीएम ने जुलाई में आम चुनाव कराने की संभावना से किया इनकार

लंदन, 28 अप्रैल 2024। ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक और उनकी कंजर्वेटिव पार्टी विभिन्न जनमत में लेबर पार्टी से पिछड़ती नजर आ रही है। ऐसे में चर्चाएं थीं कि ब्रिटेन में समय पूर्व चुनाव हो सकते हैं, लेकिन अब पीएम ऋषि सुनक ने समय पूर्व आम चुनाव कराने की संभावना से इनकार कर दिया है।

समय पूर्व चुनाव की संभावना से इनकार- ऋषि सुनक की पार्टी के एक सांसद डैन पोल्टर, जो कि एक डॉक्टर हैं, उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं (एनएसएस) के मुद्दे पर कंजर्वेटिव पार्टी छोड़कर लेबर पार्टी में शामिल होने का एलान किया है। ब्रिटेन में 2 मई को स्थानीय और मेयर चुनाव होने हैं। ऐसे में चुनाव से ऐन वक्त पहले कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद के विपक्षी पार्टी में शामिल होने को लेकर सुनक सरकार की आलोचना हो रही हैं। हालांकि जब सुनक से सवाल किया गया कि क्या जुलाई में आम चुनाव हो सकते हैं? तो उन्होंने इससे साफ इनकार कर दिया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार गिनाते हुए ऋषि सुनक ने कहा कि अब मरीजों का इंतजार का समय कम हो गया है। साथ ही अपनी सरकार की अन्य उपलब्धियां गिनाते हुए सुनक ने कहा कि महंगाई कम हो गई है, देश का रक्षा बजट बढ़ा है और रवांडा बिल को भी ऋषि सुनक ने अपनी सरकार की उपलब्धि बताया। विपक्षी लेबर पार्टी पर सुनक ने रवांडा बिल को रोकने का आरोप लगाया और कहा कि वह नहीं चाहते कि ब्रिटेन में अवैध रूप से आने वाले अप्रवासी रुकें।

बिल्ट रिवाईस संस्थापक अंकुर जैन और पूर्व WWE स्टार एरिका हैमंड ने की शादी, मौजूद रहे कई मशहूर लोग

नई दिल्ली, 28 अप्रैल 2024। बिल्ट रिवार्ड्स के सीईओ अंकुर जैन ने 26 अप्रैल को ग्रेट स्फिंक्स के सामने पूर्व डब्लयू डब्ल्यू ई स्टार एरिका हैमंड से शादी कर ली है। शुक्रवार को दोनों ने मिस्र के ग्रेट पिरामिड के सामने एक दूसरे के साथ जन्म-जन्म तक रहने का वादा किया।

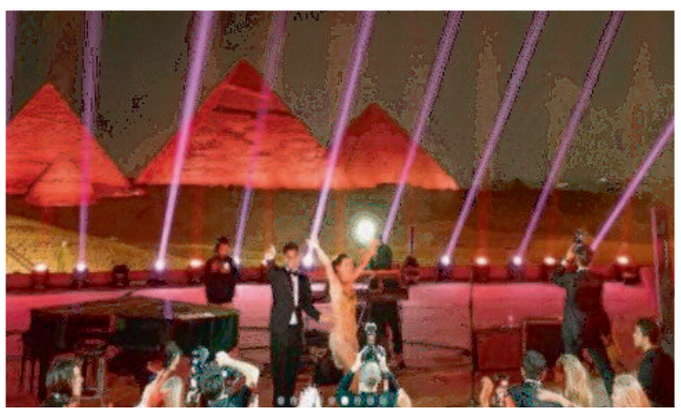

कैशबैक टेक कंपनी बिल्ट रिवार्ड्स के संस्थापक और सीईओ अंकुर जैन और पूर्व डब्लयू डब्ल्यू ई स्टार एरिका हैमंड ने शादी कर ली है। दोनों अपनी शादी को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। दोनों ने एक नए अंदाज में अपने जीवन की नई पारी की शुरूआत की है। अंकुर जैन ने कहा कि हम न्यूयार्क वाले हैं, और परंपरागत तरीके से शादी के बंधन में नहीं बंधना चाहते थे। हम चाहते थे कि हमारी शादी का आयोजन बिल्कुल नई जगह पर हो। जहां मेरे दोस्तों और रिश्तेदारों को भी एक नया एहसास हो।

बता दें इस शादी में न तो दुल्हन की परंपरागत एंट्री हुई, न ही शादी का केक काटा गया। अंकुर जैन ने कहा कि परंपरागत तरीके से शादी करते तो आप सबके भी फूलों पर 20 हजार से अधिक डॉलर खर्च करने पड़ जाते, जिसका कोई मतलब नहीं है। इसलिए हमने फैसला किया था कि हम अपनी शादी जश्न के साथ करेंगे, हमारी शादी में शामिल हुए लोगों को भी लगे कि वे नई दुनिया में आ गए हैं।

हैमंड बताया कि मुझे इन सब के बारे में नहीं पता था, मैं बस अपनी शादी को अलग तरीके से करना चाहती थी। अंकुर जैन ने कहा कि आतिशबाजी इस पार्टी का सबसे यादगार पल था, मैं इस दौरान भावुक हो गया था।

बता दें मिस्र के पिरामिड के सामने शादी के बंधन में बंधने से पहले यह जोड़ा शादी में शामिल होने वाले रिश्तेदारों के आगमन को लेकर काफी परेशान रहा।

अपनी वेलकम पार्टी से पहले निजी मिस्र एयर उड़ान को दक्षिण अफ्रीकी सरकार के हस्तक्षेप के कारण देरी का सामना करना पड़ा। उसके बाद मिस्र में अपने मेहमानों के आगमन के लिए दूल्हा और दुल्हन को घंटों समाधान करने में लगे रहे। लगभग तीन घंटे बाद उनका कार्यक्रम शुरू हुआ।

अंकुर जैन ने कहा कि सुबह 5 बजे तक पार्टी चलती रही। कार्यक्रम में बेली और फायर डांसर ने खूब मनोरजंन किया। इस पार्टी में स बैस और उनके पति, माइकल टर्चिन, रॉबिन थिक और उनकी पत्नी, लव गीरी, ÷शार्क टैंक÷ निवेशक केविन ओ%लेरी और उनकी पत्नी लिंडा, सेरेना केरिगन, कई राजनेता और प्रमुख व्यवसायी सहित कई लोग इस शादी में शामिल हुए।

बाइडन के रात्रिभोज में दिग्गजों का जमघट,डोनाल्ड ट्रंप की खिल्ली उड़ाकर राष्ट्रपति ने बताया 'स्लीपी डॉन'

वाशिंगटन,28 अप्रैल 2024। संयुक्त राज्य अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच सीधा मुकाबला है। इस दौरान, राष्ट्रपति बाइडन ने वाशिंगटन के राजनीतिक और मीडिया जगत के वरिष्ठ अधिकारियों और नेताओं के लिए रात्रिभोज आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के खिलाफ जमकर निशाना साधा। ट्रंप पर तंज कसते हुए बाइडन ने कहा कि मैं एक बच्चे के खिलाफ लड़ रहा हूं। गौरतलब है कि बाइडन की उम्र 81 वर्ष है तो वहीं ट्रंप 77 साल के हैं।

एडल्ट स्टार और ट्रंप के अफेयर पर भी कटाक्ष

रात्रिभोज का आयोजन शनिवार को व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन (डब्ल्यूएचसीए) ने आयोजित किया था। कार्यक्रम में जो बाइजन ने भाषण दिया। उन्होंने कहा कि 2024 का चुनाव अपने जोरों पर है लेकिन उम्र इसमें एक बड़ा मुद्दा है। बाइडन ने ट्रंप को स्लीपी डॉन बताया। उन्होंने एडल्ट स्टार और ट्रंप के अफेयर पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ट्रंप कुछ दिनों से कठिनाईयों का सामना कर रहे हैं। यह उनके लिए एक तूफान जैसा है।

ट्रंप तानाशाह बनना चाहते हैं

बाइडन ने कार्यक्रम में आगे कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने चुनाव में हारने के बाद हमारे लोकतंत्र पर हमला किया। ट्रंप की हालिया टिप्पणियों का हवाला देते हुए बाइडन ने कहा कि वह पहले दिन से ही तानाशाह बनना चाहते हैं। इसे वह अपना बदला कहते हैं। क्या इससे पहले आपने किसी राष्ट्रपति को ऐसा कहते हुए सुना है। बाइडन ने कहा कि हमें इसे गंभीरता से लेना होगा।

हमास ने जारी किया नया वीडियो,बंधक बनाकर रखे गए अमेरिकी-इस्राइली नागरिकों के जिंदा होने का दिया सबूत

यरुशलम, 28 अप्रैल 2024। इस्राइल की ओर से गाजा में जारी हमलों के बीच हमास ने एक नया वीडियो जारी किया है। इस वीडियो के जरिए उसने बंधक बनाकर रखे गए दो इस्राइली-अमेरिकियों के जिंदा होने का सबूत दिया है। दोनों बंधकों की पहचान 64 वर्षीय कीथ सीगल और 46 वर्षीय ओमरी मिरान के तौर पर की गई है। तीन मिनट के इस वीडियों में बंधक अपने परिजनों को संदेश देते देखे जा सकते हैं। बता दें कि वीडियो तब जारी किया गया, जब हमास ने कहा है कि वह संघर्षविराम के लिए इस्राइल के ताजा प्रस्ताव पर विचार कर रहा है।

हमास ने जारी किया नया वीडियो

वीडियो को कब रिकॉर्ड किया गया है, इसका खुलासा फिलहाल नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि इसे हाल ही में रिकॉर्ड किया गया है, क्योंकि वीडियो में मिरान ने 202 दिनों से बंधक बनाकर रखने का जिक्र किया है। वहीं, सीगल ने एक यहूदी त्योहार-पासओवर का जिक्र किया। अमेरिकी नागरिक सीगल और उनकी पत्नी को हमास पिछले साल सात अक्टूबर को म्यूजिक फेस्टिवल पर हमले के बाद बंधक बनाकर गाजा लाया था। नवंबर में सीगल की पत्नी को मुक्त कर दिया गया था।

बंधकों के वीडियो पर परिवार ने दी प्रतिक्रिया

मिरान के इस वीडियो पर उनके पिता ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने बेटे की शक्ल-सूरत पर बात की। पिता ने बताया कि शेविंग के सामान की कमी के कारण मिरान की दाढ़ी बढ़ गई है। उन्होंने वादा किया कि जब उनका बेटा वापस आ जाएगा तब वह अपनी दाढ़ी हटा देंगे।

वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए कीथ के परिवार ने कहा कि वे उनकी रिहाई तक अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। दोनों बंधकों के परिवार ने इस्राइल सरकार से रिहाई के लिए समझौता करने की अपील भी की है। इस्राइल के विदेश मंत्री ने शनिवार को कहा कि बंधकों की रिहाई के लिए समझौता होता है तो वह राफा पर किए गए हमले की योजना पर फैसले को वापस ले सकते हैं।

क्या भाजपा जिलाध्यक्ष के अहम से जिले में टूट गई है पार्टी...

सिर्फ कागजी खानापूर्ति तक सीमित भाजपा संगठन ?

भाजपा नेताओं में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान आपसी खींचतान हुई तेज,एक दूसरे को पीछे दिखाने अब भाजपा नेता कर रहे काम ?

- » पटना में सीएम की पहली सभा फेल,संगठन की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान...किसने ली थी जिम्मेदारी,जो नही हुई पूरी ?
- » लोकसभा प्रत्याशी को एक दूसरे की कमियां बताकर भाजपा नेता आपसी निकाल रहे द्वेष...
- » अलग-अलग भाजपा नेता अलग-अलग लोगों से भाजपा प्रत्याशी की करा रहे मुलाकात
- » विधायक की छवि हो धूमिल उनकी निष्क्रियता भी साबित करने का हो रहा प्रयास
- » विधानसभा चुनाव में खुलकर विरोध करने वाले भी अब लोकसभा प्रत्याशी को कर रहे दिग्भ्रमित:सूत्र
- » लोकसभा चुनाव के रास्ते कुछ नेता अपने लिए आगामी विधानसभा का भी रास्ता कर रहे तय:सूत्र
- » क्या संगठन नही चाहता था किसी अन्य नेताओं से मिलें भाजपा प्रत्याशी
- » सोनहत में अनुज शर्मा की सभा भी हुई थी फेल...आए दिन भाजपा कार्यालय में हो रही बैठक आखिर किस काम की ?

- रवि सिंह -

कोरिया/कोरबा/एमसीबी,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)। कोरिया जिले में लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान भाजपा में आपसी खींचतान तेज होती जा रही है और एक दूसरे को लोकसभा प्रत्याशी के समक्ष श्रेष्ठ साबित करने की भी कवायद तेज हो चुकी है । कोरिया जिले के पटना में आयोजित मुख्यमंत्री की आम सभा में यह देखने को भी मिला जब इसी खींचतान आपसी की वजह से मुख्यमंत्री की सभा में भीड़ नहीं जुटी। बताया जा रहा है की पार्टी के जिलाध्यक्ष साथ ही मंडल अध्यक्ष ने कार्यक्रम का जिम्मा खुद ले रखा था और उन्होंने साप्ताहिक बाजार का दिवस जानकर भीड़ जुटाने का प्रयास नहीं किया और उन्होंने यह पहले से ही मान लिया था की साप्ताहीक बाजार दिवस होने के कारण लोग खुद उपस्थित हो जाएंगे और भीड़ जुटाने के लिए मिला संसाधन बचा लिया जायेगा और किया भी वही गया संसाधन बचा लिया गया लेकिन भीड़ भी नहीं जुटी वहीं पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों को केवल उपस्थिति के लिए ही जिला महामंत्री और मंडल अध्यक्ष ने कहा था जिस कारण केवल वह अपनी ही उपस्थिति दर्ज करने पहुंचे उन्होंने भीड़ के लिए प्रयास नहीं किया।

सूत्रों की माने तो कुछ भाजपा नेता जो विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के विरोध में खुलकर थे इस बीच उन्हे भी मौका मिल गया है वह भी स्थानीय विधायक को कमजोर बताने और उनकी कमियां गिनाने का पूरा प्रयास लोकसभा प्रत्याशी के समक्ष कर रहे हैं और वह लोकसभा प्रत्याशी के लिए जितना समर्थन नहीं जुटा रहे हैं उससे ज्यादा वह अपना मतलब साध रहे हैं जो वह स्थानीय विधायक के खिलाफ लोकसभा प्रत्याशी को भड़काकर साधने का प्रयास कर रहे हैं। कुछ भाजपा नेता इसी बीच लोकसभा प्रत्याशी के भरोसे अपने लिए आगामी विधानसभा के लिए मैदान भी तैयार कर रहे हैं और वह अपने नेतृत्व में लोकसभा प्रत्याशी की लोगों से एकांत मुलाकात करा रहे हैं। वैसे कोरिया भाजपा और लोकसभा चुनाव की गंभीरता को लेकर बात करें तो कोरिया जिले में भाजपा का संगठन नेतृत्व विहीन जैसा हो चुका है और सही दिशा देने वाला नेतृत्व भाजपा के पास जिले में नहीं है वहीं अन्य भाजपा ने पुराने नेता कार्यकर्ता इसलिए मौन हैं या कम सक्रिय हैं क्योंकि जिलाध्यक्ष को बिना उनके निर्देश किसी का चलना पसंद नहीं इसलिए वह भी मौन साधे बैठे हैं जितना निर्देश मिलता है वह उतना काम करके बैठ जाते हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो कोरिया जिले में भाजपा का प्रचार अभियान केवल मोदी लहर के भरोसे है।

शनिवार साप्ताहिक बाजार के भरोसे थे जिलाध्यक्ष सहित मंडल अध्यक्ष...इसलिए वाहन खर्च बचाने का हुआ प्रयास:सूत्र

सूत्रों की माने तो पटना साप्ताहिक बाजार संयुक्त सरगुजा का सबसे बड़ा साप्ताहिक बाजार आज भी है और शनिवार के दिन जितनी भीड़ पटना में जुटती है वह संयुक्त सरगुजा में कहीं नहीं जुटती। बताया जा रहा है की जिलाध्यक्ष मंडल अध्यक्ष ने इस बात का फायदा उठाने का प्रयास किया और उन्हे विश्वास था की लोग बाजार दिवस के कारण अवश्य उपस्थित होंगे जबकि ऐसा हुआ नहीं और कार्यक्रम मुख्यमंत्री का असफल हो गया। वैसे कार्यक्रम यदि बाजार के मैदान में होता भीड़ जुट जाती और जिलाध्यक्ष मंडल अध्यक्ष की मंशा पूरी हो जाती लेकिन ऐसा हुआ नहीं और कुल मिलाकर मुख्यमंत्री का कार्यक्रम पैसा बचाने के प्रयास में असफल हो गया।

स्थानीय विधायक को कमजोर बताकर निष्क्रिय बताकर अपनी श्रेष्ठता साबित करने का भी हो रहा प्रयास

सूत्रों की माने तो कुछ भाजपा नेता बैकुंठपुर विधायक को निष्क्रीय बताकर अपनी श्रेष्ठता साबित करना चाहते हैं। वह यह साबित करना चाहते हैं को विधायक की निष्क्रियता की वजह से ही पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में माहौल नहीं बन पा रहा है वहीं यदि वह पूरी तरह जिम्मेदार बनाए जाएं वह माहौल बना देंगे। वैसे स्थानीय बैकुंठपुर विधायक का एक बड़ा जनाधार है क्षेत्र में जिसे कोई नकार नहीं सकता लेकिन उसे भी प्रत्याशी के समक्ष धूमिल करने का प्रयास केवल इसलिए कुछ नेता कर रहे हैं जिससे उनका अपना जनाधार वह प्रत्याशी के समक्ष जाहिर कर सकें जो हकीकत में देखा जाए तो क्षेत्र में फिलहाल नहीं है।

प्रत्याशी को दिग्भ्रमित करने का भी किया जा रहा प्रयास, खुद को ज्यादा जनाधार वाला बताने के प्रयास में भी हैं कुछ लोग

लोकसभा प्रत्याशी को कोरिया जिले के दिग्भ्रमित करने का भी प्रयास किया जा रहा है। बता दें की कुछ भाजपा नेता खुद को ज्यादा जनाधार वाला साबित करने उन्हे अलग ही राय दे रहे हैं...जबकि फिलहाल केवल पार्टी की एकजुटता से ही जीत सुनिश्चित हो सकती है। प्रत्याशी के सामने खुद को श्रेष्ठ साबित करने कुछ नेता अन्य नेताओं की बुराई भी कर रहे हैं जबकि अभी आवश्यक था की सभी एक साथ बैठकर पहले प्रत्याशी की जीत के लिए प्रयास करते फिर वह अपनी आपसी द्वेष का समाधान कर लेते। वैसे जो लोग प्रत्याशी को दिग्भ्रमित कर अपनी रोटी सेंक रहे हैं वह प्रत्याशी की जीत के लिए कम प्रयासरत हैं वह अपनी खुन्नस अन्य से निकालने के लिए ऐसा कर रहे हैं जो माना जा सकता है।

घटती घटना | अम्बिकापुर ,रविवार 28 अप्रैल 2024 | 6

कोरिया जिले के पटना में मुख्यमंत्री की जनसभा में नहीं जुटी भीड़,मुख्यमंत्री के सामने जिलाध्यक्ष सहित मंडल अध्यक्ष पर भड़की लोकसभा प्रत्याशी

जिन्होंने विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी का किया था विरोध उन्हे भी प्रत्याशी से मिलाया जा रहा, मिलाने में भी विरोधी ही सक्रिय

सूत्रों की माने तो लोकसभा प्रत्याशी को उन लोगों से भी मिलाया जा रहा है जो विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के विरोध में काम कर रहे थे खुलकर और यह काम भी ऐसे ही लोग कर रहे हैं जो खुद विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी के विरोध में थे। कहा जाए तो पार्टी में उनसे प्रत्याशी की मुलाकात कम हो पा रही है जो पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता हैं,स्वार्थी और अवसरवादी लोगों से ही प्रत्याशी की मुलाकात कराई जा रही है जबकि उनका भरोसा भी किया जाना उचित होगा यह तय नहीं है।

कुछ नेता इसी चुनाव के दौरान अपने लिए आगामी विधानसभा चुनाव रणनीति बना रहे हैं...

बताया जा रहा है की कुछ नेता इसी चुनाव में अपने लिए विधानसभा चुनाव की रणनीति बना रहे हैं। वह अपने लोगों से प्रत्याशी की मुलाकात करा रहे हैं और उन्हे प्रत्याशी से परिचित कराकर उन्हें संसाधनों का भी प्रलोभन दे रहे हैं। वह इस प्रयास में हैं की इस चुनाव में ही वह अपनी आधी तैयारी कर लें शेष वह बाद में कर लेंगे। वैसे उनका प्रयास कितना सफल होगा यह तो नहीं कहा जा सकता लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है की वह जिस तरह पूर्व के चुनावों में अन्य का विरोध करते आए हैं अन्य उनका करेगा यह तय है और उनका प्रयास इस हिसाब से असफल ही माना जायेगा।

पटना में सीएम की पहली सभा फेल, संगठन की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान

पटना में सीएम की पहली आमसभा फेल हो गई। आम सभा का फेल होना संगठन की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान है। संगठन में दो तीन लोग ही पूरा संगठन हैं यह कार्यक्रम की असफलता के बाद तय हो गया। एक तरफ साप्ताहिक बाजार दूसरी तरफ मुख्यमंत्री का आगमन और भीड़ इतनी की उंगलियों में गिन ली जाए। कुल मिलाकर प्रदेश के मुखिया के आगमन पर ऐसी स्थिति शायद ही कहीं कभी देखी गई हो।

किसने ली थी जिम्मेदारी, जो नही हुई पूरी ?

मुख्यमंत्री के आगमन कार्यक्रम में आखिर किसने जिम्मेदारी ली थी कार्यक्रम की सफलता की यह बड़ा सवाल है क्योंकि कार्यक्रम जिस तरह पूरी तरह असफल हुआ यह कहा जा सकता है की कार्यक्रम के लिए कोई प्रयास ही नहीं किया गया की वह सफल हो। जिलाध्यक्ष मंडल अध्यक्ष सहित उनके खास एक दो लोग फोटो खिंचाने में ही व्यस्त नजर आए। वहीं अन्य कार्यकर्ता मजबूर क्योंकि उन्हे कोई जिम्मा दिया ही नहीं गया। पूरा कार्यक्रम एक दो लोगों के संचालन में था इसलिए फेल होने की बात बताई जा रही है।

प्रचार का संसाधन जिन्हे भी मिला है वह संसाधन को वितरण क्यों करना नहीं चाहते ?

संसाधन जिन्हे भी मिला है वह संसाधन को वितरण नहीं करना चाहते वहीं कुछ नेता जो लोकसभा प्रत्याशी से लोगों को व्यक्तिगत मिला रहे हैं प्रभावशाली बताकर वह भी यह जान रहे हैं की जिन्हे वह प्रभावशाली बताकर मिला रहे हैं वह कितने कारगर साबित होंगे क्योंकि उनके विरोध के बावजूद विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की बड़ी जीत दर्ज हुई थी। देखा जाए तो यह कहा जा सकता है की लोकसभा प्रत्याशी जिन्हे विश्वास में ले रही हैं कुछ नेताओं के कहने पर और जो विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशी के विरोधी थे वह उन्हे कितना फायदा पहुंचाएंगे यह कहना मुश्किल है। वैसे भाजपा प्रत्याशी खुद से काफी मेहनत कर रही हैं और उनका दौरा भी काफी ज्यादा है क्षेत्र में पूरे लोकसभा अंतर्गत लेकिन बताया जा रहा है की उन्हे सबसे ज्यादा परेशानी कोरिया जिले में ही हो रही है जहां एक तरह जिलाध्यक्ष की मनमानी और एकला चलो की नीति से उन्हे परेशानी हो रही है वहीं कुछ अन्य भाजपा नेताओं से उन्हे यह परेशानी हो रही है की वह उन्हे सही दिशा बताने की बजाए खर्चीला रास्ता बता रहे हैं क्योंकि उन्हे भविष्य के लिए खुद के लिए विधानसभा का रास्ता दुरस्त करना है। देखा जाए तो कोरिया जिले में लोकसभा प्रत्याशी के लिए काम संगठन के पुराने पदाधिकारी कार्यकर्ता कर जरूर रहे हैं बिना संसाधन,वह लोगों से अपील भी कर रहे हैं लेकिन जब बात जिलाध्यक्ष एवम अन्य एक दो नेताओं की की जाए वह अपना ही हित साधने में लगे हुए हैं और वह वही कर भी रहे हैं।

मुख्यमंत्री का कार्यक्रम बिना भीड़ इसलिए संपन्न हुआ क्योंकि जिलाध्यक्ष,मंडल अध्यक्ष ने किसी अन्य को विश्वास में ही नही लिया

मुख्यमंत्री का पटना में आयोजित कार्यक्रम बिना भीड़ के केवल इसलिए संपन्न हुआ क्योंकि जिलाध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष ने किसी पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता को विश्वास में नहीं लिया। बताया जा रहा है की सारे इंतजाम का जिम्मा खुद जिलाध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष सम्हाल रहे थे और उन्होंने किसी को भी यह निवेदन पार्टी के नहीं किया की उन्हे भी भीड़ के लिए प्रयास करना है। कुल मिलाकर वह आशवस्त थे की उनके बिना कहे बिना संसाधन प्रदान किए ही लोग जुट जाएंगे। जिलाध्यक्ष सहित मंडल अध्यक्ष के अलावा हर कोई पार्टी का खुद को शर्मशार मानकर कार्यक्रम में लौटा जैसा बताया जा रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री का यह पहला कार्यक्रम था पटना में जिसमे भीड़ नहीं हुई वहीं जिलाध्यक्ष मंडल अध्यक्ष को इसका कोई अफसोस नहीं हुआ उन्हे कोई मलाल हुआ नजर नहीं आया।

सिर्फ कागजी खानापूर्ति तक सीमित भाजपा संगठन ?

भाजपा का कोरिया जिला संगठन केवल कागजी कार्यवाही तक सीमित है। जिलाध्यक्ष एक दो अन्य की ही कोर कमेटी है वह निर्णय लेकर सोशल मीडिया में सूचित कर दे रहे हैं और वही निर्देश पालन करना कार्यकर्ता और अन्य की मजबूरी है। कुल मिलाकर भाजपा आज कोरिया जिले में सिमट सिकुड़ चुकी है और जो जन समर्थन प्रत्याशी को मिलेगा वह जिलाध्यक्ष मंडल अध्यक्ष के कारण नहीं वह कर्मठ कार्यकर्ता की वजह से मिलेगा जो आज भी बिना संसाधन निस्वार्थ कार्य कर रहा है।

सोनहत में अनुज शर्मा की सभा भी हुई थी फेल

जिले में सोनहत क्षेत्र में अनुज शर्मा का भी कार्यक्रम इसी तरह फेल हुआ था। वैसे अनुज शर्मा छत्तीसगढ़ी कलाकार साथ ही विधायक हैं ऐसे में उनकी लोकप्रियता का भी फायदा कोरिया भाजपा संगठन नहीं उठा पाया जो बड़ी असफलता कही जायेगी।

क्या संगठन नही चाहता था किसी अन्य नेताओं से मिलें भाजपा प्रत्याशी ?

वैसे हाल फिलहाल में लोकसभा प्रत्याशी को यह आभास हो गया है की जिलाध्यक्ष और एक दो अन्य के भरोसे उन्हे कोरिया जिले में सफलता नहीं मिलेगी इसलिए वह अब लोगो से खुद मिलने लगी हैं। वैसे संगठन शायद नहीं चाहता था की वह किसी से मिले ऐसा लगने लगा था। वैसे एक भाजपा नेता सभी से मुलाकात कराने में जुटे जरूर हैं लेकिन उनकी मंशा भी कितनी सार्थक है प्रत्याशी के पक्ष में क्योंकि वह जिनसे भी मिला रहे हैं वह सभी विधानसभा चुनाव में पार्टी विरोध में थे और अब वह भाजपा के लिए काम करेंगे यह संशय जरूर बना रहेगा क्योंकि ऐसे लोगों की विश्वशनीयता का सवाल होता है।

आए दिन भाजपा कार्यालय में हो रही बैठक आखिर किस काम की ?

आए दिन जिला भाजपा कार्यालय में बैठक हो रही है फोटो में गिने चुने लोग रोज बैठक करते नजर आ रहे हैं फिर भी मुख्यमंत्री का कार्यक्रम असफल हुआ आखिर क्या होता है बैठक में यह बड़ा सवाल है। वैसे भाजपा आज चुनाव में बहुत पीछे नहीं है जिले में लेकिन इसमें संगठन प्रमुख का कोई योगदान है यह कहना सरासर गलत है।

प्रचार वाहन भी भाजपा का लोगों को नहीं आ रहा नजर

वैसे भाजपा का प्रचार वाहन कितना लगा हुआ है कितना वह प्रचार कर रहा है यह भी बड़ा सवाल है क्योंकि जिले में प्रचार वाहन यदा कदा नजर आते हैं यह बताया जा रहा है।

क्या भाजपा जिलाध्यक्ष के अहम से जिले में टूट गई है पार्टी ?

भाजपा जिलाध्यक्ष को लेकर माना जाता है की वह लोगों के बीच पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के बीच सबसे ऊपर अपना अहम रखते हैं जिससे उन्हे पसंद करने वालों की संख्या नगण्य है। जिलाध्यक्ष केवल उनकी ही बात लोग माने इस नीति पर चलते हैं,किसी कार्यक्रम में हर जिम्मा वह स्वयं सम्हालने का प्रयास करते हैं कार्य विभाजन करके वह कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को विश्वास में नही लेना चाहते यह बताया जाता है। वैसे उनका अहम पार्टी की लुटिया डूबा दे रहा है जैसा बताया जा रहा है। जिलाध्यक्ष हर काम में खुद का ही नियंत्रण चाहते हैं। पार्टी में आज स्थिति यह है की जिलाध्यक्ष के पास तीन लोगों की मात्र टीम है जो हर पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता दबी जबान में कहता है।

सरोज पाण्डेय कोरबा की पालक सांसद रहीं,लेकिन उन्होंने कोरबा के विकास के लिए क्या किया ? : डॉ. महंत

- संवाददाता -
कोरबा,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भाजपा प्रत्याशी सुश्री सरोज पाण्डेय के द्वारा उन्हें सक्ती का निवासी और बाहरी बताने के बयान पर पलटवार कर कहा है कि हमें बाहरी बताने वाली सरोज पाण्डेय पहले यह बताएं कि कोरबा से उनका क्या रिश्ता है? उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि कोरबा लोकसभा पूर्व में अविभाजित जांजगीर लोकसभा का हिस्सा हुआ करता था और उससे पृथक होकर कोरबा लोकसभा तथा कांग्रेस की प्रदेश सरकार में सक्ती पृथक जिला का गठन हुआ है। अविभाजित जांजगीर लोकसभा के समय से मैं और मेरा पूरा परिवार क्षेत्रवासियों की सेवा करते आएं हैं और कोरबा संसदीय क्षेत्र की जनता का स्नेह व आशीर्वाद हमेशा से रहा है।

डॉ. महंत ने कहा कि सरोज पाण्डेय अपना दुर्ग जिला छोड़कर कोरबा में चुनाव लडऩे आई हैं तो उन्हें यह पहले बताना चाहिए कि कोरबा से उनका रिश्ता क्या है? वे तो नजदीक की बात क्या करें, दूर-दूर तक उनका न तो कोरबा और न ही कोरबा वासियों से कभी कोई नाता रहा है । वे यहां सिर्फ और सिर्फ चुनाव लड़ने के मकसद से आई हैं और वे जान रही हैं कि कोरबा में भी उनकी दाल नहीं गलने वाली, इसलिए जनता

को अनर्गल बातों से गुमराह करने का काम कर रही हैं। डॉ. महंत ने कहा कि मेरी धर्मपत्नी ज्योत्सना महंत कुशल गृहणी होने के साथ-साथ कुशल राजनीतिज्ञ भी है और जनता के बीच शांत, सौम्य स्वभाव के लिए जानी जाती है। रही बात कोरबा जिले के विकास की तो हमने अपने कर्यकाल में पूरी इच्छा शक्ति के साथ कोरबा के विकास के लिए कार्य किया है। जवाब तो सरोज पांडेय को देना चाहिए कि 15 साल तक भाजपा की सरकार छत्तीसगढ़ में रही और अभी 10 साल से केंद्र में भी भाजपा की सरकार है तो अपने शासनकाल में इन्होंने कोरबा के विकास के लिए क्या किया? सरोज पाण्डेय भी स्वयं केन्द्र सरकार की ओर से कोरबा की पालक सांसद रहीं, लेकिन उन्होंने कोरबा के विकास के लिए किया क्या ?

यदि इन्होंने कार्य किए होते तो जितनी समस्याएं सरोज पाण्डेय बता रही हैं, वे नहीं होती। दरअसल, भाजपा की नीयत कोरबा की नैसर्गिक संपदा पर बिगड़ने लगी है। यहां की अकूत खनिज संपदाओं के बेतहाशा दोहन की वे रणनीति बना रहे हैं। राहुल गांधी ने देश भर में मोहब्बत की दुकान खोली है और कांग्रेस नफरत का जवाब मोहब्बत से देना जानती है, किसी के व्यक्तित्व का प्रतिबिंब बताने की जरूरत सरोज पाण्डेय को नहीं है। कोरबा में अपनी जमीन खिसकती देख वे बौखलाई हुई हैं और कुछ भी बयान दे रही हैं, जिससे उन्हें बचना चाहिए।

पुलिस प्रेक्षक ने बलरामपुर अंतर्गत मतदान केंद्रों में सुविधाओं का लिया जायजा

» चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले वस्तुओं को जब्त कर करें आवश्यक कार्यवाही

- संवाददाता -
बलरामपुर,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के लिए नियुक्त पुलिस प्रेक्षक मुख्तार मोहसीन (आईपीएस) ने बलरामपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र सामरी अंतर्गत मतदान केंद्र सिधमा एवं ककना का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से वहां की सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

प्रेक्षक ने मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की जानकारी के लिए कराए गए दीवार लेखन, दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए रैंप, शौचालय, पेयजल व्यवस्था की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोकसभा निर्वाचन शांतिपूर्ण संपन्न करना निर्वाचन आयोग एवं प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्वाचन को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए एसडीएम राजपुर राजीव जेम्स कुजूर को निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने बरियों नाका का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि एसएसटी एवं एफएसटी टीम भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें। कोई भी संदिग्ध वाहन बिना चैकिंग के निकलना नहीं चाहिए। संदिग्ध धनराशि, अवैध मादक पदार्थ और ऐसी वस्तुओं को जब्त करें, जिनसे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित होने की संभावना हो। आयोग के दिशा-निर्देशों और आचार संहिता का उल्लंघन सामने आने पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए।

जिला स्तरीय स्वीप बाइक रैली अंतर्गत कलेक्टर व एसपी ने बाइक चलाकर मतदाताओं को किया जागरूक

- संवाददाता -
कोरबा,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मतदाताओं को जागरूक करने कोरबा शहर के प्रमुख मार्गों में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी आदि की उपस्थिति में जिला स्तरीय स्वीप बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली में कलेक्टर, एसपी सहित शहर के युवाओं तथा आम मतदाताओं एवं अधिकारियों -कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित बाइक रैली में मतदाताओं को मतदान दिवस 07 मई को मतदान करने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने की अपील की गई। बाइक रैली के माध्यम से आम नागरिकों को यह भी संदेश दिया गया कि सड़क पर यातायात के नियमों का पालन करें और बाइक चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें। बाइक रैली में शामिल युवाओं एवं आम नागरिकों ने बैनर-पोस्टर के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। जिला स्तरीय स्वीप बाइक रैली का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर कलेक्टोरेट परिसर से किया गया। इस दौरान प्रमुख मार्गों पर बाइक चलाते हुए मतदाताओं को लोकसभा निर्वाचन में

बढ़चढ़ कर भाग लेने की अपील की। कलेक्टर ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में हमारा एक-एक वोट महत्व रखता है। समय पर मतदान करके हम सभी मतदाता अपने पसंद का उम्मीद्वार चुन सकते हैं। हम सभी मतदान में जितना अधिक भाग लेंगे, हमारा लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। कलेक्टर ने बाइक रैली का उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक बनाना और उन्हे मतदान के लिए प्रेरित करना बताया। उन्होंने अपील की है कि 07 मई को सभी मतदाता अपने नजदीकी मतदान केन्द्र में जाकर मतदान अवश्य करें। जिला प्रशासन द्वारा बाइक रैली की नियमानुसार एसडीएम कोरबा से अनुमति ली गई थी। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ व स्वीप नोडल अधिकारी श्री संदीप मिश्रा, निगम आयुक्त श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई, सहित अपर कलेक्टर दिनेश कुमार नाग, एसडीएम कोरबा श्रीकांत वर्मा एवं डिप्टी कलेक्टर तथा जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी और आम नागरिक उपस्थित थे।

संभागायुक्त ने किया अंतर्राज्जीय चेक पोस्ट एवं थाने का किया आकस्मिक निरीक्षण

» अन्य राज्य से आने जाने वाले वाहनों को कड़ाई से जांच करने दिए निर्देश

- संवाददाता -
बलरामपुर,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभागायुक्त जी आर चुरेंद्र के द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर बलरामपुर रामानुजगंज जिले के कुसमी विकासखण्ड अंतर्गत छत्तीसगढ़ झारखण्ड सीमा पर स्थित अंतर्राज्जीय सीमावर्ती कोरंधा चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थैतिक निगरानी दल एवं अन्य टीमों को अवैध शराब, नगदी एवं अन्य सामग्री के परिवहन को रोकने के लिए निर्वाचन कार्य में लगे टीमों को 24 घंटे तैनात रहने के निर्देश दिए। उन्होंने दलों द्वारा संधारित किये जा रहे पंजियों का अवलोकन कर दर्ज किये गये कुल प्रकरणों की जानकारी

लेते हुए कहा कि निर्वाचन का समय अवैध शराब, नगद तथा अन्य सामग्री के परिवहन से संबंधित प्रकरण सामने आते हैं। इन सभी पर बारीकी से नजर रखने और उन पर कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने अन्य राज्यों से आने-जाने वाले वाहनों को कड़ाई एवं सघनता से जांच करने को कहा। साथ ही संदिग्ध वाहनों की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तत्पश्चात उनके द्वारा कोरंधा थाना का निरीक्षण किया गया। उन्होंने चुनाव को निष्पक्ष संपंन्न कराने के लिए सतर्कता के साथ सतत् निगरानी रखने के निर्देश भी दिये। इस दौरान छत्तीसगढ़ झारखण्ड सीमा पर स्थित ग्राम पंचायत चंपा का भ्रमण करते हुए निर्वाचन के संबंध में स्थानीय लोगों से बातचीत भी किए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कुसमी करूण डहरिया, जनपद सीईओ श्री अभिषेक पाण्डेय, नायब तहसीलदार मौजूद रहे।

डाक मतपत्र से मतदान करने सुविधा केन्द्र एवं पोस्टल वोटिंग सेंटर की व्यवस्था

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा समान्य निर्वाचन 2024 हेतु सरगुजा निर्वाचन क्षेत्र से सरगुजा जिला अंतर्गत डाक मतपत्र, पोस्टल बैलेट से मतदान करने हेतु निर्वाचन ड्यूटी पर कार्यरत मतदाताओं में मतदानकर्मी, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, वाहन चालक, कंडक्टर, हेल्पर, विडियोग्राफर आदि के लिए डाक मतपत्र के जरिये मतदान करने हेतु सुविधा केंन्द्र तथा अनुपस्थित श्रेणी-अनिवार्य सेवा के मतदाताओं हेतु पोस्टल वोटिंग सेंटर स्थापित किए गए हैं।

अनुपस्थित श्रेणी-अनिवार्य सेवा के मतदाता कम्पोजिट बिल्डिंग कलेक्टोरेट परिसर में स्थापित किए गए पोस्टल वोटिंग सेंटर में 29 अप्रैल 2024 से 01 मई तक सुबह 09:00 से 05:00 बजे तक मतदान कर सकेंगे।

इसी तरह पुलिस लाईन अंबिकापुर में स्थापित किए गए सुविधा केंद्र में 30 अप्रैल को सुबह 10:30 से सायं 5:30 बजे तक पुलिस, नगर सेना, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मतदान करेंगें। वहीं कम्पोजिट बिल्डिंग कलेक्टोरेट परिसर में स्थापित किए गए सुविधा केंद्र में 02 मई से 06 मई तक सुबह 10:30 से 05:00 बजे तक मतदान कर्मी, अन्य जिले में पदस्थ कर्मचारी जो सरगुजा जिले के पंजीकृत मतदाता है, वाहन चालक, कंन्डक्टर, हेल्पर, विडियोग्राफर इत्यादि वोट करेंगे।

29 अप्रैल से होम वोटिंग भी होगी शुरू-कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोस्कर के मार्गदर्शन में कार्यवाही करते हुए जिले में 29 एवं 30 अप्रैल 2024 को 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग तथा दिव्यांग मतदाता अपने घर में ही डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करेंगे। मतदान के निर्धारित तिथि को प्रातः 07 बजे से शाम 06 बजे तक मतदान कराया जायेगा। जिले में होम वोटिंग सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए 21 दल गठित किए गए हैं।

वरिष्ठ पत्रकार स्व.रमेश पासवान की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में 30 लोगों ने किया रक्तदान

- संवाददाता -
कोरबा,28 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा प्रेस क्लब द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत शनिवार 27 अप्रैल को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित तिलक भवन में वरिष्ठ पत्रकार स्व. रमेश पासवान के तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी स्मृति में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में सीएमएचओ डॉ. एस.एन. केसरी शामिल हुए। प्रेस क्लब परिवार की ओर से सचिव श्री दिनेश राज, कोषाध्यक्ष रंजन प्रसाद व स्व. रमेश पासवान के भाई रामप्रसाद पासवन ने गुलाब का फुल भेंट करके उनका स्वागत किया। सीएमएचओ डॉ. केसरी ने दीप प्रज्वलन के साथ ही स्वर्गीय रमेश पासवान जी के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर शिविर का शुभारंभ किया। जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध चिकित्सालय कोरबा के ब्लड सेंटर के सहयोग से लगे उक्त शिविर में कोरबा प्रेस क्लब के सदस्यों के साथ ही स्व. रमेश पासवान जी के परिजन व आमजन बड़ी संख्या में पहुंचे। जिसमें 30 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंदों की जिंदगी बचाने महादान किया। शिविर के समापन के मौके पर क्लब परिवार ने सभी रक्तदाताओं का रक्तदान शिविर को सफल बनाने पर आभार जताया। साथ ही प्रत्येक रक्तदाता को प्रेस क्लब व ब्लड सेंटर का आभार पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। शिविर के समापन अवसर पर प्रेस क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों ने ब्लड बैंक के नोडल अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा, डॉ. राजेश लहरे, आईसीटीसी काउंसलर वीणा मिस्त्री, लैब टेक्निशियन संतोष सिंह, लैब टेक्निशियन उमा कर्ष, ब्लड बैंक काउंसलर गायत्री सिंह, स्वच्छक सुरज सिदार को आभार पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर में ब्लड बैंक की टीम के साथ अहम सहयोग छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसायटी के रोहित कश्यप व अविनाश दुबे ने निभाया। उक्त पुनित कार्य के लिए उन्हें भी प्रेस क्लब की ओर से आभार पत्र व स्मृति चिन्ह देकर उनका आभार व्यक्त किया गया। रक्त दान शिविर के दौरान निम्न पत्रकारों ने ÷रक्तदान महादान÷ के इस पुण्य कार्य में अपना विशेष योगदान दिया, जिनमे रामप्रसाद पासवान, गुलशन बैरागी, नरेंद्र कुमार रात्रे, दिनेश राज, संतोष अग्रवाल, अब्दुल असलम, श्रीमती शशी अग्रवाल, तनुज अग्रवाल, शुभम पासवान, सौरभ पासवान, नीलम पडवार,राजेश कुमार प्रजापति, शैलेष भावनानी, राजेश प्रजापति, राजा मुखर्जी, अविनाश प्रसाद, विकास पांडेय एवं अन्य भाग ने लिया । शिविर के दौरान कोरबा प्रेस क्लब प्रबंध कार्यकारिणी समेत पूर्व सचिव मनोज ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार विजय खेत्रपाल, श्रवण साहू, अनुप पासवान, विक्की निर्मलकर, अजय अग्रवाल, अजय डहरिया समेत प्रेस क्लब के अन्य सदस्य व शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भारत को वर्ल्ड कप जिताने वाला अब बना पाकिस्तान का कोच

» पीसीबी ने इन्हें दी बड़ी जिम्मेदारी

» भारत को वर्ल्ड कप जिताने वाला अब बना पाकिस्तान का कोच

» गैरी कर्स्टन व्हाइट बॉल फॉर्मेट में पाकिस्तान टीम के नए नियुक्त किए गए हैं...

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2024। टी 20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले पाकिस्तान की टीम ने अपना कोच बदल दिया है। गैरी कर्स्टन व्हाइट बॉल फॉर्मेट (वनडे और टी 20) में पाकिस्तान टीम के नए नियुक्त किए गए हैं। बता दें कि गैरी कर्स्टन के नेतृत्व में भारत ने 2011 का वनडे विश्व कप 28 साल बाद जीता था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी का टेस्ट टीम का हेड कोच बनाया गया है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले पाकिस्तान ने बदला अपना कोच

दरअसल, टी 20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज 1 जून 2024 से वेस्टइंडीज और अमेरिकी की मेजबानी में होना है। इस मेगा इवेंट से पहले 56 साल के गैरी कर्स्टन को पाकिस्तान का कोच नियुक्त किया गया है। मिकी आर्थर के हटन के बाद तीनों फॉर्मेट में पाकिस्तान की टीम को मुख्य कोच की खोज थी, लेकिन अब ये तलाश पीसीबी की पूरी हो गई। आर्थर के बाद मोहम्मद हफीज ने टीम निदेशक के रूप में टीम की कमान संभाली थी, लेकिन न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें भी बर्खास्त कर दिया गया।

गैरी कर्स्टन की कोचिंग में भारत ने जीता था 2011 वनडे विश्व कप

साल 2011 में गैरी कर्स्टन के कोच रहते ही एमएस धोनी की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने 28 साल बाद विश्व कप जीतने के सूखे को खत्म किया था। कर्स्टन के कार्यकाल में भारत सिर्फ वनडे विश्व कप ही नहीं जीता, बल्कि टेस्ट और वनडे की रैंकिंग में टॉप पर भी रहा। भारत के बाद गैरी कर्स्टन साउथ अफ्रीका के हेड कोच (2011 से 2013) तक बने और अब 56 साल की उम्र में वह आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस के मेंटर और बैटिंग कोच की भूमिका निभा रहे हैं।गैरी कर्स्टन पहली बार पाकिस्तान टीम को गाइड करेंगे। टी 20 विश्व कप 2024 से पहले उन्हें पीसीबी ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। न्यूयॉर्क में पाकिस्तान की टीम 9 जून को भारत से भिड़ेगी। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान भारत को सिर्फ एक ही बार हरा सका है।

संक्षिप्त खेल समाचार

फिडे ने विश्व चैंपियनशिप मुकाबले के लिए लगभग 80 करोड़ रुपये का बजट रखा

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2024। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) को अगर प्रतिभाशाली डी गुकेश और मौजूदा चैंपियन चीन के डिंग लिरेन के बीच विश्व चैंपियनशिप मुकाबले की मेजबानी करनी है तो उसे 80 करोड़ रुपये (9.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक खर्च करने होंगे। यह मुकाबला अस्थायी रूप से 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच निर्धारित है। शतरंज की वैश्विक नियामक संस्था फिडे ने शनिवार को बहुप्रतीक्षित मैच के लिए संभावित बोलीदाताओं से निविदाएं आमंत्रित कीं। एआईसीएफ के नवनिर्वाचित सचिव देव पटेल ने गुरुवार को ग्रैंड फिनाले की मेजबानी करने के लिए राष्ट्रीय निकाय की इच्छा व्यक्त की।गुकेश की मौजूदगी के कारण एआईसीएफ इसमें दिलचस्पी ले रहा है। सत्रह साल के गुकेश सोमवार को टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बने हैं। संभावित बोली लगाने वाले के लिए फिडे द्वारा उल्लिखित बुनियादी मानदंड को पूरा करना होगा। इसमें वैश्विक निकाय के लिए 8.5 मिलियन डॉलर (लगभग 71 करोड़ रुपये) का बजट और 1.1 मिलियन डॉलर (लगभग नौ करोड़ रुपये) की सुविधा शुल्क है। टूर्नामेंट की अवधि 25 दिन की है।

ज्योति ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई

भारत ने कम्पाउंड टीम स्पर्धाओं में स्वीप किया

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2024। एशियाई खेलों की चैम्पियन ज्योति सुरेखा वेन्नम ने शानदार प्रदर्शन के बूते यहां शंघाई में चल रहे तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक बनाकर भारतीय दबदबे की अगुआई की। दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी ज्योति ने सत्र के शुरूआती वैश्विक टूर्नामेंट में मेक्सिकों की शीर्ष वरीय आंद्रिया बेसेरा को शूट-ऑफ में 146=146 (9-9) से हराकर यह उपलब्धि हासिल की।

ज्योति ने इस तरह पिछले साल हांगझोऊ एशियाड की उपलब्धि की बराबरी की जिसमें विजयवाड़ा की 27 वर्षीय तीरंदाज ने व्यक्तिगत, महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक की हैट्रिक लगाई थी। सुबह के सत्र में भारत ने गैर-ओलंपिक कंपाउंड तीरंदाजी में अपना दबदबा बनाते हुए टीम स्पर्धाओं में क्लीन स्वीप करते हुए स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी तथा पुरुष टीम, महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धा जीतीं। इनमें से दो में ज्योति टीम का हिस्सा रहीं।

ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की तिकड़ी ने महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा ने इटली को 236 . 225 से हराया। भारतीय तिकड़ी ने 24 तीरों में सिर्फ चार अंक गंवाये और छठी वरीयता प्राप्त इटली को बड़े अंतर से हराकर स्वर्ण पदक से खाता खोला। पुरूष टीम में अभिषेक वर्मा, प्रियांश और प्रथमेश एफ ने नीदरलैंड को 238 . 231 से मात दी। नीदरलैंड की टीम में माइक शोलेसर, सिल पीटर और स्टेफ विलेम्स थे। इसके बाद भारत की मिश्रित टीम ने कंपाउंड वर्ग में तीसरा स्वर्ण पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया।

दूसरी वरीयता प्राप्त ज्योति और अभिषेक की जोड़ी ने एस्तोनिया की लिसेल जात्मा और रोबिन जात्मा की मिश्रित जोड़ी को रोमांचक मुकाबले में 158-157 से मात दी। मौजूदा एशियाई खेलों की चैम्पियन ज्योति के लिए यह दोहरा स्वर्ण पदक था। वह व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक की दौड़ में है और दिन के अंत में अपना सेमीफाइनल खेलेगी। शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला कंपाउंड टीम ने दिन के पहले मैच में 24 तीरों से केवल चार अंक गंवाए और छठी वरीयता प्राप्त इटली को हरा दिया। छह छह तीरों के पहले सेट में भारतीय टीम ने सिर्फ दो बार परफेक्ट 10 नहीं बनाया और मार्सेला तोनिओली, इरेने फ्रांचिनी और एलिसा रोनेर की इतालवी टीम पर 178 . 171 से बढत बना ली।

चौथी वरीयता प्राप्त पुरूष टीम ने 60 स्कोर करके परफेक्ट शुरूआत की और अगले दो सेट में दो ही अंक गंवाये। इसके बाद फाइनल सेट में परफेक्ट 60 स्कोर करके जीत दर्ज की। कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में ज्योति और अभिषेक ने 40 के स्कोर से परफेक्ट शुरूआत कर तीन अंक की बढ़त बनायी। भारतीय जोड़ी 119-117 की बढ़त बनाये थी और उसे अंत में 40 में से 39 अंक की जरूरत थी और उन्होंने ऐसा करके देश को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया। दोपहर के सत्र में ज्योति व्यक्तिगत चैम्पियन बनीं। भारतीय तीरंदाज को पहले तीन प्रयास में परफेक्ट स्कोर के लिए संघर्ष करना पड़ा और आंद्रिया ने 88-87 की बढ़त बना ली। लेकिन ज्योति चौथे राउंड में परफेक्ट स्कोर बनाने में सफल रही।

भारतीय एथलीट खुद को दुनिया के शीर्ष एथलीटों से कम नहीं समझतेः तूर

नई दिल्ली,28 अप्रैल 2024। भारतीय के शीर्ष गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर का मानना है कि तोक्यो ओलंपिक में विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक से भारतीय खिलाड़ियों का 'विश्वास बढ़ा' है और वे खुद को 'शीर्ष वैश्विक एथलीटों से कम नहीं' समझते हैं। दो बार के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तूर ने कहा कि चोपड़ा की उपलब्धि के बाद मानसिकता में आए बदलाव ने भारतीय एथलीटों को विश्वास दिलाया है कि वे पेरिस ओलंपिक में सिर्फ भाग लेने के लिए नहीं बल्कि जीतने के लक्ष्य के साथ जा रहे हैं। तूर ने शनिवार को यहां 'टीसीएस विश्व 10के बेंगलुरु' की पूर्व संध्या पर आयोजित एक पैनल चर्चा में कहा, '' तोक्यो ओलंपिक खेलों में नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक के बाद से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। हम में से हर कोई इसमें केवल भाग लेने के लिए नहीं जा रहा है। हम पदक जीतने की मानसिकता के साथ वहां जा रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आज मानसिकता में बदलाव आया है। हम अपने आप को उन शीर्ष वैश्विक एथलीटों से कम नहीं समझते जिनके साथ हम प्रतिस्पर्धा करते हैं। विश्व चैंपियनशिप के नतीजों को देखें, हमारे पास नीरज और किशोर जेना पोडियम पर थे। हमारे पास डीपी मनु भी थे। वह इसी स्पर्धा के फाइनल में पहुंचे थे।'' चर्चा में 27 बार के आईबीएसएफ विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी, शीर्ष निशानेबाज तेजस कृष्ण प्रसाद, स्क्वाश स्टार जोशना चिनप्पा, पूर्व अंतरराष्ट्रीय एथलीट और अर्जुन पुरस्कार विजेता अश्विनी नचप्पा भी शामिल थे।

कल्कि 2898 एडी रिलीज की तारीख सामने आई,प्रभास,दीपिका पादुकोण की फिल्म ने शानदार पोस्टर जारी किया

कल्कि 2898 एडी इन दिनों चर्चा में बने हुए हैं। खैर, अब प्रशंसक आखिरकार राहत की सांस ले सकते हैं। कई देरी के बाद, प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन स्टारर कल्कि 2898-ष्ठ को आखिरकार रिलीज़ डेट मिल गई। फिल्म वैजयंती मूवीज के निर्माताओं ने एक नए पोस्टर के साथ तारीख साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। नेटिज़न्स नए पोस्टर से आश्चर्यचकित थे। सस्पेंस ख़त्म हो गया है. कल्कि 2898 एडी के निर्माताओं ने प्रभास, नाग अश्विन, दीपिका पादुकोण की फिल्म की तारीख की घोषणा कर दी है। कल्कि 2898 एडी 27 जून, 2024 को आ रही है। फिल्म ने इंडियन 2 के साथ टकराव को टाल दिया है। कल्कि 2898 एडी के निर्माताओं ने शुरू में फिल्म को 9 मई, 2024 को रिलीज करने की योजना बनाई थी। हालांकि, कुछ पैचवर्क लंबित होने के कारण इसे थोड़ा स्थगित करने का फैसला किया गया। , साथ ही वे तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में आम चुनाव के मौसम से बचना चाहते थे। कल्कि 2898 एडी एक विज्ञान-फाई डायस्टोपियन थ्रिलर है जो करीब 600 करोड़ रुपये के बजट पर बनी है। यह अब तक बनी सबसे महंगी भारतीय फिल्म है। कल्कि 2898 एडी वैजयंती मूवीज द्वारा बनाई गई है। फिल्म में प्रभास भैरव की भूमिका निभा रहे हैं। 21 अप्रैल को, उन्होंने द्रोणाचार्य के रूप में अमिताभ बच्चन के चरित्र का अनावरण किया। यह आईपीएल प्रसारण के दौरान था। दृश्य, बीजीएम और ध्वनि को पहले से ही भारी सराहना मिल रही है। कल्कि 2898 एडी का पोस्टर हॉलीवुड फिल्मों के बराबर है। वाइब्स ड्यून, डायवर्जेंट और ओब्लिवियन के समान ही हैं। डायरेक्टर नाग अश्विन के निर्देशन में बन रही कल्कि 2898 एडी एक साइंस फिक्शन फिल्म है, जिसमें कमल हासन, दिशा पटानी, राजेंद्र प्रसाद और पसुपति जैसे मशहूर सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से ही दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्साह बना हुआ है.। कल्कि 2898 एडी इस साल 9 मई को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कश्मीरा शाह ने गोविंदा से माफी मांगी थी

सुनीता की अनुपस्थिति पर कहा उनका गुस्सा रहना बनता है...

टेलीविजन अभिनेता आरती सिंह की शादी एक स्टार-स्टडेड इवेंट थी जिसमें उद्योग के लोकप्रिय सेलेब्स उपस्थित थे। हालाँकि, सारा ध्यान बॉलीवुड स्टार ने चुरा लिया, जो अपनी भतीजी की शादी में अप्रत्याशित रूप से उपस्थित हुए। बता दें, गोविंदा अभिनेत्री आरती सिंह और उनके कॉमेडियन भाई कृष्णा अभिषेक के मामा हैं। गोविंदा और कृष्णा के बीच 2016 में अनबन हो गई थी और तब से दोनों परिवारों के बीच बातचीत बंद है। आरती की शादी में शामिल होकर, हीरो नंबर 1 अभिनेता ने द कपिल शर्मा शो स्टार के साथ अपने वर्षों के लंबे विवाद को समाप्त कर दिया। कृष्णा की पत्नी और अभिनेता कश्मीरा शाह ने गोविंदा के आरती की शादी में शामिल होने और अभिनेता को सुखी वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद देने पर खुशी व्यक्त की।

कश्मीरा ने शादी में गोविंदा की मौजूदगी के लिए आभार जताया। अपनी बातचीत को याद करते हुए, कश्मीरा ने बताया कि कैसे वह प्रवेश द्वार पर मेहमानों का स्वागत कर रही थी जबकि कृष्णा और आरती मंच पर थे। जब गोविंदा पहुंचे, तो उन्हें एक अद्भुत पल का एहसास हुआ और उन्होंने तुरंत झुककर नमस्ते करते हुए उनका स्वागत किया। कश्मीरा ने बताया कि कैसे वह गोविंदा को मंच तक ले गईं, जहां वह माफी मांगने के लिए उनके पैर छूना चाहती थीं। हालांकि, गोविंदा ने उन्हें रोका और जीतते रहो, खुश रहो कहकर शुभकामनाएं दीं। कश्मीरा ने इसे गोविंदा द्वारा उनकी माफी स्वीकार करने के रूप में व्याख्या करते हुए कहा, मैं उनके पैर छूने के लिए झुकी। यही माफी है।

कश्मीरा ने इस मौके का फायदा उठाते हुए अपने छह साल के जुड़वा बच्चों को गोविंदा से मिलवाया। प्रसिद्ध अभिनेता ने उन्हें गर्मजोशी से गले लगाया और आशीर्वाद दिया, जिस पर कश्मीरा की ओर से गहरी भावनात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की गई। जहां गोविंदा ने अपनी मौजूदगी से शादी की शोभा बढ़ाई, वहीं उनकी पत्नी सुनीता आहूजा इस समारोह से खास तौर पर नदारद रहीं। जब कश्मीरा से सुनीता की अनुपस्थिति के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा,मुझे उनके वहां होने की उम्मीद नहीं थी। उनका गुस्सा रहना बंटा है।÷

उन्होंने बाद में सुनीता के साथ अपने मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता को स्वीकार किया और उन्हें एक अल्फा महिला बताया। इसके अलावा, कश्मीरा ने सुनीता की नाराजगी के संभावित कारण के रूप में 2018 में एक ट्वीट घटना से उत्पन्न अंतर्निहित तनाव का संकेत दिया।

कृष्णा ने भी शादी में गोविंदा की मौजूदगी पर खुशी जाहिर की. उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं. बहुत खुशी का दिन है आज, आरती के लिए हम सब के लिए। माँ आये बहुत खुशी हुई. वो दिल की बात है, हमारा ऐसा इमोशनल कनेक्ट है। उसे देखकर बहुत खुशी हुई और यश अभी भी है अंदर। (यह आरती और हम में से प्रत्येक के लिए एक बड़ा दिन है। मामा (गोविंदा) आए, और मैं बहुत खुश हूं। यह दिल की बात है। हम भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। यश अभी भी यहां है)।

इन 5 फिल्मों से अमिताभ बच्चन ने हिला डाला था दर्शकों का दिमाग

टिकट खिड़की पर भी हुआ था बड़ा धमाका

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने एक से बढ़कर एक फिल्म में काम किया है। अस्सी से नब्बे के दशक

में तो फिल्म हिट कराने के लिए उनका नाम ही काफी हुआ करता था। मोहब्बतें मूवी से कमबैक करने के बाद उन्होंने ऐसी कई फिल्मों में काम किया जो लीक से कुछ हट कर थीं या उनका किरदार कुछ अलग रंग लिए हुए था। नए किरदारों में भी अमिताभ बच्चन ने अपने हुनर की छाप तो छोड़ी ही। बरसों तो उनके एक्शन, रोमांस और एंग्री यंगमैन की इमेज को पसंद करने वाले फैन्स को भी चौंकाया। कौन सी है वो पांच फिल्में जिनके जरिए अमिताभ बच्चन बॉक्स ऑफिस और दर्शकों के दिल के शहंशाह बने।

बदला

साल 2019 में आई मूवी में अमिताभ बच्चन के साथ तापसी पन्नू एक बार फिर नजर आईं। उनकी ये सस्पेंस थ्रिलर मूवी स्पेन की मूवी द इनविजिबल गेस्ट की रीमेक मूवी थी। रुजोय घोष की निर्देशित ये फिल्म बनी सिर्फ दस करोड़ में लेकिन कमाई कर डाली 138.49 करोड़ रु. की।

वजीर

अमिताभ बच्चन की इस फिल्म को डायरेक्ट किया था बेजॉय नांबियार ने। ये फिल्म भी एक एक्शन थ्रिलर मूवी थी, जिसमें अमिताभ के साथ फरहान अख्तर,मानव कौल,अदिति राव हैदरी और नील नितिन मुकेश भी दिखे। 35 करोड़ रु. में बनी इस फिल्म ने 78.7 करोड़ रु. की कमाई की, ऐसा फिल्म के विकिपीडिया पेज पर दर्ज है।

पिंक

एक वकील के रोल में लड़कियों को इंसाफ दिलाती इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने गजब का काम किया.। फिल्म में तापसी पन्नू के अलावा कीर्ति कुल्हारी और एंड्रिया तारियांग भी थीं। तीस करोड़ में बनकर तैयार हुई फिल्म ने 157.32 करोड़ रु. की कमाई की थी।

पीकू

इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म में अमिताभ बच्चन ने ये साबित कर दिया कि कॉमेडी में उनका दूसरी पारी में भी कोई मुकाबला नहीं है। फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण और इरफान खान जैसे मंझे हुए कलाकार भी थे। 42 करोड़ रु. में बनी इस फिल्म ने उस वक्त 141 करोड़ रु. की कमाई की थी।

सत्याग्रह

ये एक पॉलिटिकल ड्रामा मूवी थी। जिसमें अमिताभ बच्चन ने मनोज बाजपेयी,अमृता राव,अर्जुन रामपाल, करीना कपूर जैसे सितारों के साथ स्क्रीन शेयर की। प्रकाश झा की ये फिल्म 73 करोड़ रु. में बनी थी और कमाई हुई थी 97.1 करोड़ रु. की।

भाबीजी घर पर हैं की एक्ट्रेस सौम्या टंडन अस्पताल में भर्ती

भाबीजी घर पर हैं से घर-घर में मशहूर हुईं सौम्या टंडन की सोशल मीडिया पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। सौम्या न सिर्फ एक एक्ट्रेस हैं बल्कि एक बेहतरीन होस्ट भी हैं। जब से उन्होंने शो भाबीजी... छोड़ा है, तभी से फैंस उन्हें शो में मिस कर रहे हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में एक पोस्ट साझा किया जिसने उनके प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया। सौम्या टंडन की तबीयत बिगड़ गई है सौम्या टंडन ने छोटे पर्दे की दुनिया में बड़ा नाम कमाया है। इस क्रिएटिव फील्ड में उनकी एक्टिंग ही नहीं बल्कि खूबसूरती के लिए भी तारीफ होती है। लाखों दिलों की धड़कन सौम्या टंडन को लेकर हाल ही में कोई अच्छी खबर नहीं आई है। एक्ट्रेस ने अस्पताल से तस्वीरें शेयर की हैं. उन्होंने इस बारे में एक भावनात्मक लेख लिखा. सौम्या टंडन ने अपने अस्पताल के बिस्तर से अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कीं। उनके हाथ में एक बूंद देखी जा सकती है. कैप्शन में उन्होंने लिखा, तस्वीरें हमेशा खूबसूरत नहीं होतीं और जिंदगी हमेशा मुस्कुराती नहीं रहती। वह ठीक हो रहे हैं और जल्द ही फिर से फिट हो जाएंगे। आपकी शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। प्रशंसक परेशान थे सौम्या टंडन को इस हालत में देखकर फैंस चिंतित हो गए हैं। एक ने पूछा... गोरी, मैडम,आपको क्या हुआ? एक यूजर ने लिखा, मुझे उम्मीद है कि कुछ भी गंभीर नहीं होगा। एक ने उनके लिए 3 इडियट्स का गाना जाने नहीं देंगे तुझे भी पोस्ट किया। फैंस ने एक्ट्रेस के जल्द ठीक होने की कामना की।

फरदीन खान ने 14 साल के ब्रेक पर तोड़ी चुप्पी

फिल्मी सितारों के लिए ब्रेक एक बड़े जोखिम के अलावा और कुछ नहीं है। क्योंकि अगर आप ब्रेक लेते हैं तो आप दर्शकों के ख्यालों में खो जाते हैं और काम और मुश्किल हो जाता है. अभिनेता फरदीन खान ने 14 साल पहले जोखिम उठाया था। वह 2-3 साल की छुट्टियाँ लेना चाहता था, जो देखते ही देखते 12 साल में बदल गई। स्टार खिलाड़ियों के लिए ब्रेक के बाद वापसी करना अक्सर मुश्किल होता है, लेकिन फरदीन के लिए नहीं। दो साल पहले संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज %हीरा मंडी- द डायमंड बाजार फरदीन की झोली में गिरी थी और यह अभिनेता के लिए एक शानदार वापसी होने वाली है। एक्टर ने हाल ही में अपने लंबे ब्रेक की वजह बताई.

आपने अपनी फुर्सत की गतिविधियों से छुट्टी क्यों ले ली? फरदीन खान ने कहा, आप कभी नहीं जानते कि आपके जीवन में किसी भी मोड़ पर क्या होगा। इससे पहले, दूले मिल गया 2010 में मेरी आखिरी रिलीज़ थी। व्यक्तिगत कारणों से, मुझे लगा कि इंडस्ट्री छोड़ना सही है और मुझे ऐसा करना भी चाहिए, मैंने अपने परिवार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तीन साल की छुट्टी ले ली, लेकिन जब मेरी बेटी पैदा हुआ, वे तीन साल छह या आठ साल में बदल गए, और मेरे बेटे के जन्म के बाद मेरे काम के घंटे लंबे हो गए। फरदीन खान ने कहा कि पिछले 14 सालों में उनकी एक्टिंग लाइफ में काफी बदलाव आया है. दर्शकों का नजरिया और फिल्में बनाने का तरीका बदल गया है। उन्होंने कहा कि वह एक नए खिलाड़ी की तरह उसी उत्साह के साथ वापस आए और उसी रवैये के साथ काम किया। अभिनेता चाहते हैं कि बच्चे श्रृंखला देखें फरदीन खान ने अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में भी बताया. इस अभिनेता ने कहा- उत्साहित और घबराए रहने के अलावा, मुझे अपना काम देखने और यह देखने में भी दिलचस्पी है कि निर्देशक और लेखक मुझे कौन सी भूमिकाएँ प्रदान करते हैं। ऐसा अक्सर नहीं होता. मैं बच्चों द्वारा मेरा काम देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। हीरामंडी में ये किरदार फरदीन खान ने निभाया है नवाब वली मोहम्मद के किरदार में फरदीन खान जबरदस्त लगे हैं। इस एक्टर ने पहली ही नजर में दर्शकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया. लोग इस एक्टर के लुक का इंतजार कर रहे हैं. यह सीरीज 1 मई 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, मनीषा कोइराला, संगीता शेख, शेखर सुमन और अध्ययन सुमन भी हैं।

भाजपा प्रत्याशी सरोज पाण्डेय फंसी मुश्किल में

» सरोज पांडेय को चुनाव आयोग का नोटिस

» जवाब नहीं देने पर हो सकती है कार्रवाई

» धार्मिक कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार सामग्री में भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडे का फोटो

» फोटो लगा कर प्रचार किए जाने की शिकायत पूर्व में आयोग से की गई थी

» चुनाव आयोग ने 29 तक मांगा जवाब

रायपुर/कोरबा,28 अप्रैल 2024 (ए)। धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम) के कार्यक्रम में भाजपा का प्रचार प्रसार किया जाना पाए जाने पर निर्वाचन विभाग ने कोरबा की भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कांग्रेस की ओर से बागेश्वर के आगमन पर सरोज की फोटो लगा कर प्रचार किए जाने की शिकायत पूर्व में आयोग से की गई थी।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मनेन्द्रगढ़ विधानसभा के चिरमिरी में शुक्रवार को धीरेन्द्र शास्त्री का धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसके पहले उनके आगमन से जुड़े प्रचार के पोस्टर तैयार किए गिए, जिसमें सरोज पांडेय की फोटो लगाया गया। यह पोस्टर न केवल मनेन्द्रगढ़ व कोरबा बल्कि पूरे लोकसभा क्षेत्र में लगाए गए, इसके लिए नगर निगम के बिजली खंभो का भी उपयोग किया गया। धार्मिक आयोजन के दिन मंच में भी सरोज उपस्थित रही। इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत जिला कांग्रेस कमेटी मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-बैकुंठपुर (एमसीबी) जिला के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने चुनाव आयोग से की थी।

शिकायत में कहा गया था कि धार्मिक कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार सामाग्री में कोरबा लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडे व राज्य के मंत्रियों की फोटो लगाए गए हैं। कोरबा लोकसभा के सहायक रिटर्निंग अधिकारी ने इस संबंध में सरोज पांडेय को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसमें बताया गया है कि इस धार्मिक कार्यक्रम का उड़नदस्ता व वीडियों निगरानी दल ने वीडियोग्राफी की है। कार्यक्रम स्थल भाजपा के कार्यकर्ताओं को गमछा पहनाकर राजनैतिक पार्टी का प्रचार-प्रसार किया जाना पाया गया। इससे यह परिलक्षित हुआ है कि धार्मिक आयोजन की आड़ में राजनैतिक हित साधने का प्रयास किया गया है। यह स्पष्टतः आदर्श आचार संहिता का उल्लघंन है। 29 अप्रैल तक जवाब प्रस्तुत करने कहा गया है।

हम देंगे नोटिस का जवाब

चुनाव आयोग के नोटिस पर लोकसभा प्रत्याशी सरोज पांडेय ने कहा कि हम नोटिस का जवाब देंगे, कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने जो आरोप लगाया है वो निराधार आरोप है। हमेशा ही विषयों को परिवर्तित करने की कोशिश करते हैं। जब सीधी लड़ाई में नही जीत पाते हैं तो लड़ाई को इस प्रकार से मोड़ने की शुरुआत करते हैं। हम उस पर जवाब देंगे।

हमारे नेताओं को व्यक्तिगत टारगेट कर रही बीजेपी

बिलासपुर,28 अप्रैल 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी सचिन पायलेट आज बिलासपुर के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले दो चरण में जो हुआ है उससे बेहतर हमारा परफॉर्मेंस अंतिम चरण में होगा । इस दौरान पायलट ने कहा कि बीजेपी हमारे नेताओं को व्यक्तिगत टारगेट कर रहे हैं इसे कुछ लाभ मिलने वाला नहीं है। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुझे बड़ा दुख है कि जो सत्ताधारी दल है और जिनकी सरकार पिछले 10 सालों से दिल्ली में है उनका काम और भाषण है। कभी वो प्रियंका गांधी के बारे में बोलते हैं तो वो कभी राहुल गांधी के बारे में व्यक्तिगत स्तर पर बात करते हैं जिसका कोई लाभ नहीं है इन नकारात्मक बात को जनता खूब समझ रही है। पहले दो चरण में बीजेपी बैकफुट में है, यह उनके भाषण में दिख रहा है। वहीं चुनाव परिणाम को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि यह 4 जून को पता चलेगा, लेकिन जो फीडबैक हमें मिल रहा है वह सकारात्मक है ।

हाई कोर्ट ने पिता का शव दफनाने की दी अनुमति

बिलासपुर,28 अप्रैल 2024(ए)। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले में सुनवाई करते हुए एक पुत्र की याचिका पर पिता के शव को धार्मिक मान्यता के अनुसार दफनाने की अनुमति प्रदान की है। कोर्ट ने छुट्टी के दिन बेटे की याचिका पर तत्काल सुनवाई की। इस मामले में एसपी बस्तर को संबंधित परिवार को सुरक्षा देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि हिंदू बाहुल गांव में अंतिम संस्कार के वक्त कोई अप्रिय स्थिति न बने।

दरअसल, याचिकाकर्ता सार्तिक कोर्राम के पिता ईश्वर सिंह कोर्राम की बीते 25 अप्रैल को बस्तर के डिमरपाल अस्पताल में मृत्यु हो गई। ईश्वर कोर्राम को सांस लेने में तकलीफ के चलते 25 अप्रैल को बस्तर जिले के डिमरपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। याचिकाकर्ता और उसका परिवार ईसाई धर्म को मानते हैं और उसका प्रचार-प्रसार करते हैं। पिता की मौत के बाद

जब वे शव ग्राम छिंदबहार ले जाने की व्यवस्था एंबुलेंस से कर रहे थे, तब थाना प्रभारी परपा ने उन्हें रोका और उसे ग्राम छिंदबहार में शव को नहीं दफनाने को कहा। इस परिवार को अपने ही गांव में शव ले जाने की अनुमति नहीं दी गई।

अधिकारियों से गुहार लगाता रहा युवक

थाना प्रभारी ने युवक से कहा कि छिंदबहार गांव हिंदू बहुल है और वहां ईसाई धर्म के लोगों के अंतिम संस्कार के लिए अलग से कोई जगह नहीं है, इसलिए वो कहीं और अपने पिता के शव को दफनाए। इस पर याचिकाकर्ता ने एसएचओ, पीएस से अनुरोध किया कि पिता के शव को ग्राम छिंदबहार ले जाने की अनुमति दी जाए। मगर उन्हें अनुमति नहीं दी गई। पीड़ित परिवार ने एसपी और कलेक्टर से भी लिखित अनुरोध किया लेकिन उनकी बात अनसुनी की गई।

अवकाश के दिन हुई सुनवाई

इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट न्याय के लिए अवकाश के दिन हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की बेंच ने छुट्टी के दिन सुनवाई की और याचिकाकर्ता के हक में निर्णय सुनाते हुए याचिकाकर्ता पुत्र के पिता के शव को उसकी अपनी जमीन पर दफनाने का आदेश दिया है।

शव दफनाने की अनुमति

जस्टिस राकेश मोहन पांडेय ने मेडिकल कॉलेज जगदलपुर को मृतक ईश्वर कोर्राम का शव याचिकाकर्ता को सौंपने का निर्देश दिया गया है। याचिकाकर्ता को किसी भी कानून से बचने के लिए अपने पिता के शव को ग्राम छिंदबहार में अपनी जमीन पर दफनाने की अनुमति दी गई है। पुलिस अधीक्षक बस्तर को यह भी निर्देशित किया गया है कि याचिकाकर्ता को उचित पुलिस सुरक्षा प्रदान की जाए, ताकि वे शव को शालीनता से दफना सकें।

तीसरे चरण की 7 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस ने झोंकी ताकत

» राहुल के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी की चुनाव सभा की तैयारी

रायपुर,28 अप्रैल 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की तीसरे चरण में शामिल 7 लोकसभा सीट पर पार्टी के उम्मीदवारों की जीत के लिए कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी के 29 अप्रैल को बिलासपुर दौरा के बाद 30 अप्रैल को मल्लिकार्जुन खड़गे और 2 मई को प्रियंका गांधी छत्तीसगढ़ आएंगे।

लोकसभा चुनाव के पहले और दूसरे चरण की 4 सीटों पर मतदान पूरा हो चुका है। इनमें बस्तर, कांकेर, राजनांदगांव और महासमुंद संसदीय सीट शामिल हैं। शेष जिन 7 सीटों पर 7 मई को मतदान होना है, उनमें सरगुजा, रायगढ़, कोरबा, जांजगीर चांपा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग शामिल हैं।

कांग्रेस इन सात सीटों पर तीन आमसभा के जरिए मतदाताओं की साधने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट और महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लांबा पार्टी के कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर सभा की तैयारियों की जानकारी ले रहे हैं।

रविवार को कांग्रेस प्रदेश प्रभारी पायलट बिलासपुर, जांजगीर चांपा और कोरबा जिले के दौरे पर रहे। बिलासपुर में राहुल गांधी की प्रस्तावित सभा स्थल का निरीक्षण किए। जांजगीर-चांपा में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दौरे की तैयारी का जायजा लिए।

बिरनपुर हिंसा की जांच के लिए बेमेतरा पहुंची सीबीआई टीम

» पुलिस अफसरों और मृतक के पिता ईश्वर साहू से ली जानकारी

रायपुर/बेमतरा,28 अप्रैल 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित बिरनपुर हिंसा कांड की जांच के लिए सीबीआई टीम बेमतरा पहुंची। जानकारी के अनुसार टीम में शामिल अफसरों ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों से गोपनीय चर्चा की। वहीं सीबीआई की टीम ने विधायक ईश्वर साहू से भी मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि बिरनपुर गांव के बाहर चोरभट्ठी गांव के पास साहू से सीबीआई की टीम ने मुलाकात की। टीम में एसपी, डीएसपी और टीआई शामिल हैं। ईश्वर साहू से मुलाकात कर सीबीआई की टीम वापस लौट गई है। आगे कैम्प लगाकर मामले की जांच की जाएगी। बेमेतरा जिले के साजा विधानसभा क्षेत्र के गांव बिरनपुर में सांप्रदायिक हिंसा के दौरान भुवनेश्वर साहू नामक युवक की हत्या कर दी गई थी। इस हत्या के बाद पूरे क्षेत्र में अराजकता का माहौल बन गया था। इसके बाद साल 2023 के आखिर में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बिरनपुर कांड में जान गंवाने वाले भुनेश्वर साहू के पिता ईश्वर साहू को साजा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बनाया और उन्होंने प्रदेश के सीनियर मंत्री को बड़े अंतरों से हराकर जीत दर्ज की। ईश्वर साहू ने विधायक बनने के बाद विधानसभा में बिरनपुर कांड की सीबीआई जांच कराने की मांग रखी। उनकी मांग पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने अपनी स्वीकृति देते हुए इसकी सिफारिश कर दी। सीबीआई को छत्तीसगढ़ में जांच की अनुमति मिलने के बाद मामले की तहकीकात के लिए सीबीआई की टीम बिरनपुर पहुंच थी।

5 कांग्रेस कार्यकर्ता जेल भेजे गए

पोलिंग बूथ में किए थे मारपीट

राजनांदगांव,28 अप्रैल 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव लोकसभा सीट पर मतदान के दिन पोलिंग बूथ में मारपीट मामले में बड़ा एक्शन लिया गया है। एसडीएम ने धारा 151 के तहत इस मामले में 5 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जेल भेज दिया है।

दरअसल, छत्तीसगढ़ में 26 अप्रैल को राजनांदगांव सहित तीन सीटों पर वोटिंग हुई थी। मतदान के दिन टेडेसरा पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई थी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर मारपीट का आरोप लगाया था। एक महिला ने कैमरे के सामने अपने हाथ में लगी चोट को दिखाया था। इसके बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला और मामले को शांत कराया। बता दें कि छत्तीसगढ़ के तीन लोकसभा क्षेत्रों में शुक्रवार को दूसरे चरण के मतदान में 76.24 प्रतिशत मतदान हुआ है। राजनांदगांव निर्वाचन क्षेत्र में 77.42 प्रतिशत, महासमुंद में 75.02 प्रतिशत और कांकेर में 76.23 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। राजनांदगांव में 15, महासमुंद में 17 और कांकेर में नौ उम्मीदवार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत अजमा रहे थे।

बलौदा-बाजार भाटापारा जिले को मिला 7 वीं बार गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

» 2 लाख से अधिक महिलाओं ने लिखा था स्वीप पोस्ट कार्ड शपथ

बलौदा बाजार,28 अप्रैल 2024 (ए)। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की महिलाएं लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूकता फैला रही हैं। उनका समर्थन और सहयोग निरंतर है, जो लोकतंत्र के महत्व को साबित करता है। इसी मेहनत ने आज इन्होने बलौदाबाजार-भाटापारा का नाम पुनः गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया है।

दरअसल बलौदा बाजार कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी के एल चौहान के मार्गदर्शन पर जिला पंचायत स्वीप नोडल अधिकारी दिव्या अग्रवाल के नेतृत्व में जिला प्रशासन को बड़ी सफलता मिली है।

आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत जिले के दो लाख एक हजार महिलाओं द्वारा लिखे गए स्वीप पोस्ट कार्ड शपथ को गोल्डन बुक ऑफ रिकार्ड अवार्ड मिला है। जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट हिंदी माध्यम पण्डित चक्रपाणी शुक्ल स्कूल में स्वीप पोस्ट कार्ड का अवलोकन किया गया। इस दौरान कलेक्टर के.एल.चौहान सहित अन्य अधिकारी एवं गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड अवार्ड की स्टेट प्रतिनिधि सोनल शर्मा भी मौजूद रहीं।

7 वीं बार मिला अवार्ड

जिला प्रशासन का चैलेंज पूरा होने के बाद गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड अवार्ड की स्टेट प्रतिनिधि सोनल शर्मा ने कलेक्टर के.एल.चौहान को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड अवार्ड से सम्मानित किया। उन्होंने कलेक्टर चौहान को प्रोविजनल सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। आज 7 वीं बार जिले को ये अवार्ड मिला है। जिला कलेक्टर के एल चौहान ने आयोजन को बेहद सफल बनाने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी महिलाओं को बधाई दी। कलेक्टर ने कहा कि, आप सभी की मेहनत रंग लाई।

मिशनरियों के खिलाफ थाने में हंगामा

जबरन मतांतरण के आरोप

राजनांदगांव,28 अप्रैल 2024 (ए)। शहर के रिहायशी कालोनी रिद्धी-सिद्धी के लोगों ने मंतातरण करने के आरोप में कथित मिशनरियों के खिलाफ रविवार को बसंतपुर थाना में पहुंचकर हंगामा खड़ाकर दिया। वहीं पुलिस ने कालोनी के लोगों की शिकायत के आधार पर पूछताछ के लिए दो लोगों को थाना तलब किया। बताया जा रहा है कि रविवार को कॉलोनी के एक मकान में प्रार्थना सभा चल रही थी। इस बात की जानकारी मिलने के बाद हिन्दू संगठन मौके पर पहुंचे। धार्मिक सभा को लेकर जहां आपत्ति जताते एक महिला और एक पुरूष को पकड़ लिया। हिन्दू संगठन के लोग सीधे बसंतपुर थाना पहुंच गए। वहां हिन्दू संगठन के अलग-अलग लोगों ने कार्रवाई के लिए दबाव बनाया। रिद्धी-सिद्धी कॉलोनी के लोगों का कहना है कि केरला भवन में ईसाइ समाज के लोगों द्वारा अंधविश्वास फैलाकर हिन्दुओं को ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। इसके अलावा लंबे समय से धर्मांतरण के लिए प्रयास किए जा रहे थे। इस संबंध में एएसपी राहुल देव शर्मा ने 'छत्तीसगढ़' को बताया कि शिकायत की जांच की जा रही है। आगे की कार्रवाई जारी रहेगी।

साहिल खान से पूछताछ में सामने आएंगे सफेदपोश नेताओं के नाम

» 4 दिन की पुलिस कस्टडी कोर्ट ने किया मंजूर

रायपुर,28 अप्रैल 2024 (ए)। बॉलीवुड एक्टर से बिजनेसमैन बने साहिल खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। एक्टर को बेटिंग ऐप केस में हिरासत में लिया गया था। इसके बाद साहिल को कोर्ट में पेश किया गया,जहां उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया है। हालांकि एफ आईआर में उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया गया है। लेकिन उनकी जमानत को खारिज करते हुए उन्हें चार दिन की कस्टडी में भेजा गया है। साहिल खान को हिरासत में लेने के बाद मुंबई पुलिस ने उन्हें शिंदेवाड़ी कोर्ट में पेश किया, जहां एक्टर ने अपना पासपोर्ट सरेंडर कर दिया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने एफआईआर में साहिल पर कोई आरोप नहीं लगाया हैं। महादेव बेटिंग ऐप और द लायन बेटिंग ऐप से हुई एग्रीमेंट की कॉपी कोर्ट में सब्मिट कराई गई। इस एग्रीमेंट के मुताबिक सेलेब होने के नाते साहिल की भूमिका बेहद सीमित थी। उनके नाम पर कोई सिम कार्ड दर्ज नहीं किया गया था। एक्टर के बैंक स्टेटमेंट्स को भी जमा किया है। साहिल ने बिना किसी ऑब्जेक्शन के पुलिस का पूरा सहयोग किया और हर जानकारी दी। एक्टर हर दिन लगभग 3 घंटे तक सहयोग करते थे। एग्रीमेंट के मुताबिक साहिल को हर महीने 3 लाख रुपए मिलने थे। इस समझौते की अवधि 22 महीने की ही थी। इन सभी बातों पर गौर करते हुए कोर्ट ने साहिल को 4 दिनों तक पुलिस हिरासत में रहने की इजाजत दी है। बहुचर्चित महादेव सट्टा ऐप मामले में सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भी नाम है। पूर्व सीएम के खिलाफ 120 बी, 34, 406, 420, 467 समेत कई अनेक धाराओं में मामला दर्ज हुआ है। वही छग पुलिस के बड़े अधिकारी जेल में बंद है। साथ ही कांग्रेस के कई नेता इस मामले में फंसे हुए है।

महिला ने बैंक में थप्पड़ कांड को दिया अंजाम

खैरागढ़,28 अप्रैल 2024 (ए)। सोशल मीडिया के जमाने में वीडियो का वायरल होना आम बात हो गई है। आए दिन कोई न कोई वीडियो वायरल होता रहता है। वहीं बैंक कर्मचारी की पिटाई का एक वीडियो पिछले कुछ दिनों से वायरल हो रहा है। जिसमें एक महिला एक बैंक कर्मचारी को गालियां देते हुए थप्पड़ जड़ते नजर आ रही रही है.। बैंक कर्मचारी के साथ मारपीट और गाली गलौज का वीडियो खैरागढ़ जिले के बकरकट्ठा गांव का बताया जा रहा है। जहां महिला पंजाब एंड सिंध बैंक की बकरकट्ठा ब्रांच में अपने पैसे लेने पहुंची थी। लेकिन बैंक का सर्वर काम नहीं कर रहा था। इसी बात को लेकर महिला और बैंक मैनेजर में विवाद हो गया और मारपीट शुरू हो गई।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)